Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 301 | गुरूवार, 05 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

राहुल फुस्स रॉकेट, अखिलेश हार के बहानेबाज: सीएम योगी

भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का किया स्वागत

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। राहुल गांधी को फुस्स रॉकेट बताते हुए कहा कि उनका बारूद समाप्त हो चुका है। कांग्रेस चाहे जितनी बार उन्हें लॉन्च कर ले, अब वह लॉन्च नहीं होने वाले। वहीं, अखिलेश यादव के बदला लेने संबंधी बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के बबुआ को कोई समझाए कि लोकतंत्र में बदला नहीं, जनता बदलाव करती है। मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि पाकिस्तानी और बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाने पर कांग्रेस और उसके सहयोगियों को आपत्ति क्यों है? उन्होंने आरोप लगाया कि इंडी गठबंधन अपनी चुनावी पराजय छिपाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है।





मुख्यमंत्री योगी महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में भाजपा द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनका यह पहला गोरखपुर दौरा है। लोकतंत्र को मजबूत करने और अराजकता के खिलाफ जनजागरण के लिए उन्होंने बाबा गोरक्षनाथ की धरती को चुना है। यह पदयात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से जुड़ी है।

मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि सपा अध्यक्ष ने कहा है कि अगली पीढ़ी हर लाठी और हर जख्म का बदला लेगी।

उन्होंने पलटवार किया कि समाजवादी पार्टी के बबुआ को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में बदला नहीं, जनता बदलाव करती है। वर्ष 2014 में देश और 2017 में उत्तर प्रदेश की जनता ने बदलाव करके दिखाया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में सपा-कांग्रेस को मिली कुल सीटों से अधिक 255 सीटें अकेले भाजपा ने 2022 में जीती थीं। जनता ही तय करती है कि किसे सत्ता सौंपनी है।

राहुल का रॉकेट उड़ने से पहले छोड़ देता है धुआं

मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी की राजनीतिक लॉन्चिंग पर तंज कसते हुए कहा कि दीपावली पर कुछ रॉकेट ऐसे होते हैं, जिनमें बत्ती लगाने के बाद लोग आसमान की ओर देखते रह जाते हैं, लेकिन रॉकेट वहीं धुआं छोड़कर बुझ जाता है। राहुल गांधी की भी यही स्थिति हो चुकी है। कांग्रेस ने वर्ष 2004 में सांसद, 2007 में महासचिव, 2013 में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और 2017 में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर उन्हें लॉन्च किया। इसके बाद 2019 में वह अमेठी से चुनाव हार गए। भारत जोड़ो यात्रा, न्याय यात्रा और अधिकार यात्रा से भी स्थिति नहीं बदली। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी 56 वर्ष के हो गए हैं, लेकिन कांग्रेस के लिए अभी भी युवा हैं। अब यह युवा कभी लॉन्च नहीं होने वाला है।

घुसपैठियों के नाम हटाने पर हाय-तौबा क्यों

मुख्यमंत्री ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने पर कांग्रेस और इंडी गठबंधन को घेरा। उन्होंने कहा कि वर्ष 1952, 1962 और 2003 सहित अलग-अलग समय में मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ है। कांग्रेस के शासनकाल में इसका समर्थन किया जाता था, लेकिन आज निर्वाचन आयोग जब बांग्लादेशी घुसपैठियों, पाकिस्तानियों और मृत व्यक्तियों के नाम हटाने की कार्रवाई कर रहा है तो विरोध हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई विदेशी घुसपैठिया मतदाता सूची में नाम दर्ज कराता है तो वह भारत के किसी गरीब, दलित और वंचित का अधिकार छीनता है। ऐसे नाम हटाना उनके अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर अराजकता पैदा करने के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगियों को देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1975 में देश पर आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस आज लोकतंत्र पर उपदेश दे रही है।

हारते ही ईवीएम पर फोड़ते हैं ठीकरा

मुख्यमंत्री ने राहुल-अखिलेश की जोड़ी की तुलना बार-बार परीक्षा में असफल होने वाले छात्र से की। कहा कि ऐसा छात्र कभी कॉपी गायब होने, कभी प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम से बाहर आने और कभी पेन की स्याही समाप्त होने का बहाना बनाता है। अपनी असफलता स्वीकार नहीं करता। दोनों नेताओं की भी यही स्थिति है। चुनाव जीतने पर अपना पुरुषार्थ बताते हैं और हारने पर ईवीएम तथा निर्वाचन आयोग को दोषी ठहराते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में 44, वर्ष 2019 में 52 और वर्ष 2024 में 99 सीटें मिलीं। तीनों चुनावों में कुल 195 सीटें मिलीं, जबकि भाजपा ने अकेले 2024 में 240 सीटें जीतीं। उन्होंने बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और पश्चिम बंगाल के चुनावी परिणामों का उल्लेख करते हुए कहा कि बार-बार की हार के बावजूद कांग्रेस आत्ममंथन नहीं करती।

पांच मिनट में साबित कर दूंगा कि देशद्रोही हैं मोदी: राहुल

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

संगरूर (पंजाब)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नियंत्रण होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि श्री मोदी 'देशद्रोही' हैं और वह आमने-सामने की बहस में पांच मिनट के भीतर इसे साबित भी कर देंगे। श्री गांधी ने यहां बुधवार को 'इंसाफ रैली' को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने एक दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी को आमने-सामने बहस करने की चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि बहस में निर्णायक के तौर पर प्रधानमंत्री जिसे चाहें, उसे बैठा सकते हैं। वह मोहन भागवत या अडानी को भी निर्णायक बनाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री संसद में चर्चा की बात करते हैं लेकिन वहां विपक्ष का माइक बंद कर दिया जाता है और उसे बोलने नहीं दिया जाता। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री उनके सामने बैठकर बहस करने की हिम्मत नहीं कर सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि डोनाल्ड ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी को नियंत्रित करते हैं और यही



वजह है कि ट्रंप ने धमकाकर उनसे पांच मिनट के भीतर अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करवा लिये। इस समझौते के लिए न तो मंत्रिमंडल की बैठक बुलायी गयी और न ही नौकरशाहों से सलाह ली गयी। उन्होंने आरोप लगाया कि इस समझौते से देश के किसानों के हितों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने अमेरिका के सामने कुछ नहीं बोला। ट्रंप लगातार दावा करते हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी इस पर कुछ नहीं बोल पाते। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री श्री ट्रंप के इस दावे का जवाब क्यों नहीं देते। श्री गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री किसानों, छोटे और मझोले उद्योगों तथा आम कारोबारियों के हितों की रक्षा करने के बजाय बड़े उद्योगपतियों के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने किसानों के खिलाफ काम किया और देश का पूरा बुनियादी ढांचा अडानी जैसे उद्योगपतियों के हवाले किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब में एक समय कांग्रेस की सरकार के दौरान ऑटोमोबाइल उद्योग के साथ बड़ी संख्या में लघु एवं मध्यम उद्योग थे, जिनसे रोजगार के अवसर पैदा होते थे। किसानों और छोटे-मझोले उद्योगों की रक्षा के बिना पंजाब का विकास संभव नहीं है। उन्होंने अमेरिका में अडानी के खिलाफ चल रहे मामले का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि व्यापार समझौते के बाद अमेरिका ने अडानी की कंपनी के खिलाफ मामला बंद कर दिया। कांग्रेस नेता ने गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने पंजाब से तीन साल में नशा खत्म करने का वादा किया है, लेकिन उनका यह दावा पूरा नहीं होगा।

सरकार का बड़ा फैसला: मौजूदा बैचों के सभी अग्निवीरों का स्थायी सैनिक बनने का मार्ग प्रशस्त

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। तीनों सेनाओं में चार वर्ष पहले अग्निपथ योजना के अंतर्गत भर्ती किए गए अग्निवीरों के पहले बैच का कार्यकाल समाप्त होने से ठीक पहले सरकार ने एक बड़ा निर्णय लेते हुए उनके सेनाओं में स्थायी सैनिक बनने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है जिसमें मेरिट के आधार पर स्थायी सैनिक बनाए जाने वाले 25 प्रतिशत अग्निवीरों के अलावा बाकी बचे 75 प्रतिशत को पहले दो वर्ष का सेवा विस्तार और उसके बाद में नियमित किए जाने का मौका दिया जाएगा। सेना इन 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो वर्ष के बाद स्थायी सैनिक बनने की पेशकश करेगी। इन 75 प्रतिशत सैनिकों को उनकी इच्छा तथा सेनाओं के चयन मानदंडों के आधार पर सेनाओं में स्थायी सैनिक बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई



केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि ने बैठक के बाद सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव की मौजूदगी में यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि सरकार ने यह निर्णय सेनाओं की सिफारिश पर लिया है। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना अपने मूल रूप में जारी रहेगी। जनरल सुब्रमणि ने कहा कि यह निर्णय बहुत सोच विचार के बाद अग्निवीरों के प्रशिक्षण के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन, फिटनेस और अनुशासन को देखते हुए लिया है और अब तक के सभी बैचों पर लागू होगा। उन्होंने कहा कि इस योजना को शुरू करते समय स्पष्ट किया गया था कि इसकी समय-समय पर समीक्षा की जाएगी और यह निर्णय समीक्षा पर ही आधारित है।

उन्होंने कहा, ₹ इच्छुक 75 प्रतिशत अग्निवीरों के लिए दो वर्ष के सेवा विस्तार की शुरूआत अग्निवीरों की आकांक्षाओं और संगठनात्मक दक्षता के बीच सामंजस्य स्थापित करने के मूल उद्देश्य से, विचार-विमर्शपूर्ण, तर्कसंगत एवं विस्तृत मूल्यांकन तथा प्राप्त फीडबैक के बाद की गई है।₹ जनरल सुब्रमणि ने कहा कि अग्निपथ योजना 14 जून 2022 में शुरू की गयी थी और उसके मूल रूप में यह व्यवस्था थी कि अग्निवीरों का कार्यकाल चार वर्ष का रहेगा और चार वर्ष के बाद इनमें से केवल 25 प्रतिशत को मेरिट के आधार पर स्थायी सैनिक के तौर पर सेना में भर्ती किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सेनाओं की सिफारिश पर सरकार ने अग्निवीरों के अब तक के सभी बैचों के अग्निवीरों को नियमित करने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। चार वर्ष पूरे होने के बाद 25 प्रतिशत अग्निवीरों को मेरिट के आधार पर स्थायी किया जायेगा जबकि बाकी बचे 75 प्रतिशत को दो वर्ष का सेवा विस्तार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दो वर्ष के बाद 75 प्रतिशत में शामिल सभी अग्निवीरों को सेनाओं में स्थायी सैनिक बनने का मौका दिया जाएगा।

ईशनिंदा करने वालों का यूपी में प्रवेश वर्जित हो, अखिलेश यादव ने धीरेंद्र शास्त्री पर बोला हमला



लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आध्यात्मिक प्रवचनकर्ता धीरेंद्र शास्त्री की भगवान कृष्ण और भगवान राम के पिता को लेकर की गई कथित विवादास्पद टिप्पणियों पर कड़ी आलोचना करते हुये कहा कि शास्त्री ने यदुवंशियों और रघुवंशियों, दोनों की भावनाओं को आहत किया है और अब उनका न तो ब्रज में स्वागत होगा और न ही अवध में। अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में शास्त्री का नाम लिए बिना कहा, इन्होंने यदुवंशियों और रघुवंशियों दोनों की भावनाएं आहत की हैं। अब इन्हें न ब्रज में प्रवेश मिलेगा, न अवध में। अब न तो कोई सच्चा रघुवंशी इनका स्वागत करेगा, न सच्चा यदुवंशी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश की सीमा पर इनकी नाकाबंदी का बोर्ड लगा दिया जाना चाहिए, जिस पर लिखा हो कि ईशनिंदा करने वालों का उत्तर प्रदेश की धर्मभूमि पर प्रवेश वर्जित है।

धर्मस्थलों के बाकी विवादों को अदालतों के फैसले पर छोड़ दिया जाए, आरक्षण व्यवस्था बनाए रखने की जरूरत: संघ

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

इंदौर/ भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बुधवार को यहां कहा कि राम मंदिर के बाद अब बाकी धर्मस्थलों के अदालतों में चल रहे मामलों को उनके फैसलों पर छोड़ दिया जाना चाहिए। उन्होंने आरक्षण के मुद्दे पर कहा कि आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था तब तक बनी रहनी चाहिए, जब तक समाज में पिछड़ापन बना हुआ है। श्री होसबोले संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की यहां तीन दिवसीय बैठक के समापन के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान आरक्षण, कृष्ण जन्मभूमि विवाद, संघ के पंजीयन, संगठन विस्तार, युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और सेवा कार्यों सहित विभिन्न विषयों पर सवालों के जवाब दिये और संघ का पक्ष रखा। संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की यहां डेली कॉलेज में दो से चार नवंबर की इस बैठक में देशभर से करीब 400 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।



मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि सहित विभिन्न धर्मस्थलों पर विवाद को लेकर अदालतों में विचाराधीन मामलों को लेकर पूछे गए एक सवाल पर श्री होसबाले ने कहा, ₹ हमें राम मंदिर बनाकर दिखाना था, वह हमने बना दिया। बाकी मामले अदालतों में चल रहे हैं, उन्हें वहीं रहने देना चाहिए।₹ आरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि समाज में जो वर्ग पिछड़े हुए हैं, उनके लिए आरक्षण की व्यवस्था बनी रहनी चाहिए। उनके अनुसार, जब तक समाज में पिछड़ापन है, तब तक आरक्षण की आवश्यकता बनी रहेगी। संघ के सांगठनिक कार्यों के बारे में सरकार्यवाह ने बताया कि संगठन के शताब्दी वर्ष के दौरान एक साल में संघ की पहुंच 10,241 नये स्थानों तक बढ़ी है। वर्तमान में देश के 63,208 स्थानों पर 99,423 शाखाएं संचालित हो रही हैं। इसके अतिरिक्त 34,982 साप्ताहिक मिलन और 14,096 मासिक मंडलियां भी चल रही हैं। इन सभी गतिविधियों के माध्यम से संघ की पहुंच कुल 1,03,397 स्थानों तक हो गई है।

श्री होसबोले ने बताया कि पश्चिम बंगाल में संघ की शाखाओं की संख्या पहले की तुलना में डेढ़ सौ गुना बढ़ी है। पहले वहां शाखाएं लगाने में विरोध का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब राजनीतिक परिस्थितियों में बदलाव के कारण ऐसी परेशानी नहीं होती।

कम आबादी और हिंदुओं की कम संख्या वाले क्षेत्रों में भी शाखाएं शुरू की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि सामाजिक एकता और समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शताब्दी वर्ष में देशभर में 94,218 हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें संघ के अनुसार करीब पांच करोड़ लोगों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि संघ समाज के सभी वर्गों के बारे में विचार करता है और महिलाओं तथा युवाओं को भी संगठन की गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है।

युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए श्री होसबाले ने कहा कि युवाओं को ड्रग्स और अन्य नशे से बचाने के लिए संघ विशेष योजना तैयार करेगा। जो युवा पहले से नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं, उनकी काउंसलिंग भी की जाएगी। बैठक में इस दिशा में काम करने पर चर्चा हुई है। उन्होंने युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों और कार्यक्रमों से जोड़ने की आवश्यकता बताई। इसके साथ ही युवाओं में बदलते रुझान और जेन-जी की सोच जैसे विषयों पर भी बैठक में विचार-विमर्श हुआ। संघ के पंजीयन को लेकर पूछे गए सवाल पर श्री होसबाले ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज का अंग है। ऐसे कई संगठन हैं, जिनका पंजीयन नहीं है। संघ समाज के कल्याण और देश के कानून के अनुसार काम कर रहा है।

उन्होंने बताया कि नवंबर-दिसंबर में संघ के विभिन्न प्रांतों में संघ चालकों का निर्वाचन और नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। इसके बाद देशभर के 88 संभागों में संगठन के कार्यों की योजना तैयार की जाएगी। संघ के सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि असम के शिवसागर और जोरहाट जिलों में बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए 1,600 से अधिक स्वयंसेवकों ने काम किया। उनके अनुसार, स्वयंसेवकों ने करीब 42,200 परिवारों तक भोजन, पानी और दवाइयां पहुंचाईं। बाढ़ से 805 गांव प्रभावित हुए थे और 1,500 से अधिक मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे।

पत्रकारों के इलाज का खर्च देने से सरकार नहीं कर सकती इनकार, दिल्ली हाईकोर्ट का अहम फैसला

मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति ने हाई कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में समाज और शासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी की भूमिका निभाते हैं। जनहित के मुद्दों को सामने लाने, सरकार की नीतियों और योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुँचाने तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था की जवाबदेही सुनिश्चित करने में उनकी अहम भूमिका होती है। इसके बावजूद पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा तथा चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता एक गंभीर विषय बनी हुई है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान सरकारी अस्पतालों को कोविड अस्पताल घोषित किए जाने के कारण यदि सामान्य मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हो पाती हैं, और उन्हें मजबूरी में निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ता है, तो सरकार चिकित्सा खर्च की प्रतिपूर्ति से इनकार नहीं कर



सकती। न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने रविंदर गुप्ता बनाम स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार मामले में यह फैसला सुनाया है।

याचिकाकर्ता रविंदर गुप्ता, दिल्ली सरकार से मान्यता-प्राप्त पत्रकार हैं। उन्होंने अपनी पत्नी के उपचार पर सर गंगा राम अस्पताल और सर गंगा राम सिटी अस्पताल में खर्च हुई 11,83,105.21 रुपये की शेष राशि की प्रतिपूर्ति की मांग की थी। उनकी पत्नी दाहिनी फीमोरल धमनी के संक्रमित छद्म-धमनीविस्फार से पीड़ित थीं और उन्हें तत्काल संवहनी शल्य चिकित्सा की आवश्यकता थी। याचिकाकर्ता के अनुसार, 4 अगस्त 2021 को उनकी पत्नी को जीबी पंत अस्पताल में जाँच के बाद सर गंगा राम अस्पताल रेफर किया गया था, क्योंकि सरकारी अस्पताल में आवश्यक संवहनी शल्य चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध नहीं थी।

उस समय कोविड-19 महामारी के कारण कई सरकारी अस्पतालों को कोविड अस्पताल घोषित किया गया था, जिससे सामान्य मरीजों के उपचार की उपलब्धता प्रभावित हुई थी। याचिकाकर्ता गुप्ता ने दिल्ली प्रेस रिपोर्टर एवं चिकित्सा सहायता नियम, 1955 के तहत चिकित्सा प्रतिपूर्ति का दावा किया था।

15 नवंबर 2011 की अधिसूचना के नियम 7 में आपातकालीन परिस्थितियों में मान्यता-प्राप्त पत्रकारों और उनके परिवार के सदस्यों को सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में उपचार कराने की अनुमति का प्रावधान है। हालांकि, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक ने 21 जुलाई 2025 के पत्र के माध्यम से यह कहते हुए प्रतिपूर्ति से इनकार कर दिया था कि मरीज की शल्य चिकित्सा आपातकालीन प्रकृति की नहीं थी।

संपादक की कलम

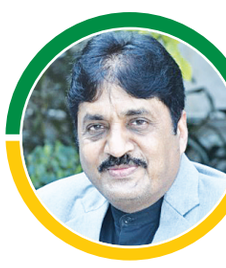
जिन्ना का पाकिस्तान- आर्थिक इतिहास के सबसे बुरे दौर में



ललित शर्मा
संपादक

स्वतंत्रता के लगभग आठ दशक बीत जाने के बाद, जिन्ना का बनाया हुआ तथाकथित 'स्वर्ग' पाकिस्तान आज इतिहास के सबसे क्रूर, काले और त्रासद दौर से गुजर रहा है। पाकिस्तान में जनता के बीच त्राहिमाम मचा हुआ है। पाकिस्तान की जनता आवश्यक वस्तुओं के लिए डर-डर की ठोकर खाकर मोहताज हो गई है। पाकिस्तान आज केवल एक आर्थिक रूप से दिवालिया देश नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी गहरी खाई में जा गिरा है जहाँ से वापसी की हर उम्मीद दम तोड़ती नजर आ रही है। पाकिस्तान के जन्म के साथ ही वहाँ की राजनीति पर सामंती ताकतों और सेना की छाया मंडराने लगी थी। जिन्ना और लियाकत अली खान के बाद देश की बागडोर जिन राजनेताओं और सैन्य शासकों के हाथ में आई, उन्होंने राष्ट्र निर्माण को अपनी निजी जागीर समझ लिया। 7 अगस्त 1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने आकाशवाणी से अपने संबोधन में एक ऐसे आधुनिक, धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील पाकिस्तान की कल्पना की थी, जो दुनिया के नक्शे पर एक मिसाल बनेगा। जिन्ना का सपना था कि दक्षिण एशिया में मुसलमानों के लिए एक ऐसा सुदृढ़ और समृद्ध राष्ट्र उभरेगा जो अपनी आर्थिक आत्मनिर्भरता और राजनीतिक स्थिरता के दम पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाएगा। स्वतंत्रता के लगभग आठ दशक बीत जाने के बाद, जिन्ना का वह तथाकथित 'स्वर्ग' आज इतिहास के सबसे क्रूर, काले और त्रासद दौर से गुजर रहा है। पाकिस्तान के इतिहास में शायद ही कोई ऐसा प्रधानमंत्री रहा हो जिसने अपना संवैधानिक कार्यकाल पूरा किया हो। किसी को अदालतों ने फंसाया, किसी को फांसी के फंदे पर लटकाया गया, तो किसी को सत्ता से बेदखल कर देश निकाला दिया गया।फील्ड मार्शलों और जनरलों की लूट ने पाकिस्तान का बुरा हल करके रख दिया है अयूब खान, जिया उल हक, परवेज मुशर्रफ से लेकर अनगिनत फील्ड मार्शलों और सैन्य कमांडरों ने देश के संसाधनों को दीमक की तरह चाटा। रक्षा बजट के नाम पर देश के खजाने को खोखला किया गया और खुद को व अपने करीबियों को अमीर बनाया गया।राजनीतिक कुर्सी की इस अंधी दौड़ ने मुल्क को अंदर से दीमक की तरह खोखला कर दिया। लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह गया और असली सत्ता रावलपिंडी के जनरल हाउस के इशारों पर नाचती रही। आज पाकिस्तान का नेतृत्व सेना प्रमुख और फील्ड मार्शल असीम मुनीर के हाथों में है। यदि पाकिस्तान के पूरे इतिहास के पन्नों को पलटकर देखा जाए, तो असीम मुनीर के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था और विदेश नीति जिस कगार पर पहुंची है, वैसी तबाही पहले कभी नहीं देखी गई थी। असीम मुनीर के शासनकाल में पाकिस्तान ने अब तक के इतिहास का सबसे ज्यादा विदेशी कर्ज हासिल किया है। देश की अर्थव्यवस्था इस कदर डूब चुकी है कि सरकार के पास अपने सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने और आयात के बिल चुकाने तक के पैसे नहीं बचे है। पाकिस्तान अब अपनी संप्रभुता को गिरवी रखकर आईएमएफ की कड़ी शर्तों और बेलआउट पैकेजों पर जिंदा है। इसके अलावा, चीन के 'सीपेक' प्रोजेक्ट के नाम पर लिए गए भारी-भरकम कर्ज ने पाकिस्तान को ड्रैगन के जाल में इस तरह फंसा दिया है कि वह अपनी रणनीतिक नीतियां तक स्वतंत्र रूप से तय नहीं कर पा रहा है। देश एक प्रकार से 'ऋणजाल' का गुलाम बन चुका है। शीर्ष पदों पर बैठे सत्ताधीशों और जनरलों की अय्याशी का खामियाजा आज आम पाकिस्तानी जनता भुगत रही है। पाकिस्तान के इतिहास में महंगाई ने आज तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आटा, दाल, चीनी और पेट्रोल जैसी बुनियादी जरूरतें भी आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चुकी हैं।

प्रदूषण पर राजनीति का धुआं और जनता की घुटती सांसें



ललित गर्ग
लेखक



त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दीपावली प्रकाश, प्रसन्नता, उल्लास और मंगलकामना का पर्व है, लेकिन यदि उत्सव की चमक के पीछे आसमान धुएं से भर जाए, बच्चों और बुजुर्गों का दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवा के लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। विडंबना यह है कि आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरण की समस्या पर भी राजनीति का धुआं छाने लगा है। जब लोगों की सांसें संकट में हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं के चश्मे से समस्या को देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान में उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में बोलना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे हो सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करने का निर्देश इस बात का संदेश है कि जनहित की आवाज को राजनीतिक दबाव के आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्म की जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाज की साझा जिम्मेदारी है। मुंबई का उदाहरण इस समस्या की गंभीरता को और उजागर करता है। सामान्यतः समुद्र की हवाओं और भौगोलिक स्थिति के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचार का लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषण का संकट गहराने लगा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकास की उस दिशा पर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगों के हिस्से की स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषण का पूरा दोष केवल दीपावली के पटाखों पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषण की समस्या को त्योहारों के दौरान और गंभीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषण का स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावली के आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियता का प्रदर्शन है। मुंबई में 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओं के भरोसे पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। सर्दियों की शुरूआत होते ही तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में प्रदूषकों के ठहराव से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं। सुबह की सैर स्वास्थ्य का माध्यम बनने के बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चों को खांसी, बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी और पहले से बीमार लोगों को अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जिस हवा में जीवन का संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषण का जहर घुल जाए तो विकास के तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के अवसर पर केवल प्रमाणित हरित पटाखों की सीमित बिक्री और निर्धारित समय में उनके उपयोग की अस्थायी अनुमति दी है। 7 और 8 नवंबर के लिए निर्धारित समय सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे है। इसके बाद 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी होना है। न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन और पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने से रोकने के लिए सख्त निगरानी पर भी जोर दिया है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागज पर सख्त और सड़कों पर बेअसर क्यों रह जाते हैं? हरित पटाखों की आड़ में पारंपरिक पटाखों की बिक्री, निर्धारित समय के बाद आतिशबाजी और प्रतिबंधित सामग्री का खुलेआम कारोबार प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलता है। कानून बनाना पर्याप्त नहीं, उसका निष्पक्ष और कठोर क्रियान्वयन भी जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालों को राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता का लाभ मिलता रहा तो न्यायालयों के निर्देश भी धुएं में उड़ते रहेंगे। दीपावली के उत्सव को सीमित पटाखों, सामूहिक आतिशबाजी और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के साथ भी पूरे उल्लास से मनाया जा सकता है। उत्सव की सार्थकता शोर की तीव्रता में नहीं, बल्कि मन की प्रसन्नता और सामाजिक सद्भाव में है। यह किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सम्मान है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब दीया मिर्जा जैसी अभिनेत्री पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं तो उनके संदेश को राजनीतिक विवाद में उलझा दिया जाता है। मुंबई उच्च न्यायालय ने 3 नवंबर को बीएमसी को उनका हटाया गया वीडियो दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि पर्यावरण के मुद्दे को राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देना अनुचित है। न्यायालय की यह टिप्पणी हमारे लोकतांत्रिक विवेक को झकझोरने वाली है। आज आवश्यकता है कि सरकारें, न्यायपालिका, नगर निकाय, राजनीतिक दल, उद्योग जगत, सामाजिक संगठन और आम नागरिक एक साझा संकल्प के साथ आगे आएं। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण हो, वाहनों के उत्सर्जन पर कठोर निगरानी हो, सार्वजनिक परिवहन मजबूत बने, कचरा जलाने पर रोक लगे और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो। साथ ही नागरिक भी पटाखों के अनावश्यक उपयोग, कचरा जलाने और निजी वाहनों के अंधाधुंध इस्तेमाल से बचें। अंततः सवाल यह नहीं है कि दीपावली पर पटाखे चलें या न चलें, सवाल यह है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन दे पाएंगे? राजनीति की अपनी जगह है, धर्म और परंपराओं का अपना महत्व है, लेकिन जीवन से बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्य से बड़ी कोई परंपरा नहीं हो सकती। याद रखना होगा कि प्रदूषण किसी की जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ों में प्रवेश नहीं करता।

दीपावली के बाजारों में चमकती महिला आर्थिक शक्ति



डॉ विजय गर्ग
लेखक



दीपावली रोशनी, खुशियों और समृद्धि का त्योहार है। हर वर्ष इस अवसर पर बाजार रंग-बिरंगी सजावट, पारंपरिक दीपों, मिठाइयों, कपड़ों और उपहारों से जगमगा उठते हैं। इस उत्सव की रौनक के पीछे महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की एक प्रेरणादायक कहानी भी उभर रही है। महिला उद्यमी, स्वयं सहायता समूह और छोटी व्यवसायी महिलाएँ दीपावली के अवसर का उपयोग अपनी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाने और परिवारों को सहयोग देने के लिए कर रही हैं।

शहरों और गाँवों में अनेक महिलाएँ हाथ से बनी मोमबत्तियाँ, मिट्टी के दीये, सजावटी वस्तुएँ, रंगोली सामग्री, पारंपरिक मिठाइयाँ, कढ़ाई वाले कपड़े, आभूषण और उपहार पैकेट तैयार करके बेचती हैं। उनकी रचनात्मकता, मेहनत और व्यावसायिक कौशल दीपावली के बाजारों को आय अर्जित करने के महत्वपूर्ण अवसरों में बदल देते हैं।

कई महिलाओं के लिए त्योहारों के दौरान होने वाली बिक्री केवल अस्थायी व्यावसायिक गतिविधि नहीं है। इससे उन्हें घर के खर्चों में योगदान देने, बच्चों की शिक्षा में सहयोग करने, पारिवारिक आवश्यकताओं को पूरा करने और आर्थिक सुरक्षा बनाने का अवसर मिलता है। छोटी-सी कमाई भी महिलाओं का आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और परिवार में निर्णय लेने की क्षमता बढ़ा सकती है।

इस परिवर्तन में स्वयं सहायता समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सामूहिक रूप से कार्य करके महिलाएँ कच्चा माल खरीद सकती हैं, अपने कौशल साझा कर सकती हैं, नए उत्पाद तैयार कर सकती हैं और अधिक ग्राहकों तक पहुँच सकती हैं। सरकारी योजनाएँ, स्थानीय संस्थाएँ और डिजिटल मंच उन्हें प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता तथा विपणन के बेहतर अवसर प्रदान कर सकते हैं।

सोशल मीडिया और ऑनलाइन बाजारों ने भी महिलाओं के लिए नए रास्ते खोले हैं। अब वे व्हाट्सऐप, फेसबुक और अन्य डिजिटल माध्यमों से अपने उत्पादों का प्रचार कर सकती हैं तथा अपने आसपास के क्षेत्र से बाहर भी ग्राहकों तक पहुँच सकती हैं। डिजिटल भुगतान ने लेन-देन को आसान बनाया है और छोटे व्यवसायों को अधिक व्यवस्थित करने में सहायता की है।

उपभोक्ताओं की भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका है। महिला उद्यमियों से हस्तनिर्मित वस्तुएँ, स्थानीय सजावटी सामान और पारंपरिक उत्पाद खरीदना सीधे उनके रोजगार और आजीविका को सहयोग देता है। बड़े पैमाने पर निर्मित वस्तुओं के स्थान पर स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने से पारंपरिक हस्तकलाओं को प्रोत्साहन मिलता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।

हालाँकि, महिला उद्यमियों को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें पूँजी की कमी, पर्याप्त विपणन सुविधाओं का अभाव, बड़े व्यवसायों से प्रतिस्पर्धा और घरेलू जिम्मेदारियों के साथ व्यवसाय का संतुलन बनाए रखने की कठिनाई शामिल हैं। उन्हें सस्ते ऋण, कौशल विकास, व्यावसायिक मार्गदर्शन, डिजिटल साक्षरता और व्यवस्थित बाजार सुविधाओं की आवश्यकता है।

दीपावली केवल घरों में दीप जलाने और उपहारों के आदान-प्रदान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह अवसर समानता, आर्थिक स्वतंत्रता और नए अवसरों का प्रकाश फैलाने का माध्यम भी बनना चाहिए। परिवारों को महिलाओं के व्यावसायिक विचारों को प्रोत्साहित करना चाहिए और समाज को आर्थिक विकास में उनके योगदान को सम्मान देना चाहिए।

दीपावली की वास्तविक भावना केवल दीपों की चमक में नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में आने वाली खुशियों और समृद्धि में निहित है। जब महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती हैं, तो परिवार मजबूत होते हैं, बच्चों को बेहतर अवसर मिलते हैं और समुदाय प्रगति की ओर बढ़ते हैं।

इस दीपावली, आइए महिलाओं की प्रतिभा, मेहनत और उद्यमशीलता का सम्मान करें तथा उनके उत्पादों और व्यवसायों को प्रोत्साहित करें। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना केवल व्यक्तियों की सहायता करना नहीं है, बल्कि परिवारों को मजबूत बनाने, समुदायों को बदलने और एक समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाना है।

असली दौलत

उदय कशोर साह



कविता

सतरंगी बहार

सपनों की ऑगन में एक कली मुस्कुराई ।
मन की दर्पण में तेरी अक्स . दिखलाई ।।
तेरी बदन की महक से गुलशन हुई गुलजार ।
फिजां में घुल गई प्रेम की सतरंगी बहार ।।

पर्वत से उतर कर आई धरा पे तेरी जवानी ।
लिख दी तुम्हें देख मैं अपनी प्रेम कहानी ।।
प्यार की सागर की तुम हो मनमीत उपहार ।
फिजां में घुल गई प्रेम की सतरंगी बहार ।।

प्रीत की डोर रब ने तुम संग है आज बाँधा ।
टुट ना पाये ये प्रेम बंधन युग युग का है साया ।।
कोरे कागज पे लिख गई ये प्रेम की इकरार ।
फिजां में घुल गई प्रेम की सतरंगी। बहार ।।

सूरज ढ्ल आया आसमां का रंग गुणगुणाया ।
तेरे दिल संग संग मेरा दिल भी धड़क आया ।।
रात की रजनी घूंघट में छुपी हुई वो अन्धकार ।
फिजां में घुल गई प्रेम की सतरंगी। बहार ।।

दूर से आवाज देकर किसने हमें आज बुलाया ।
प्रेम गीत वो गा गा कर प्रेम पाठ वो। सुनाया ।।

त्योहार

दीपावली महापर्व 2026: धनतेरस से भाई दूज तक सुख-समृद्धि, आरोग्य और रिश्तों की खुशहाली का उत्सव

भगवान महावीर के निर्वाण कल्याणक से भी जुड़ा है दीपावली का विशेष आध्यात्मिक महत्व: डॉ. सोनिका जैन



डॉ. सोनिका जैन

भारतीय संस्कृति में दीपावली केवल दीपों और रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार से प्रकाश, अज्ञान से ज्ञान तथा निराशा से आशा की ओर बढ़ने का संदेश देने वाला महान उत्सव है। धनतेरस से प्रारंभ होकर दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज तक चलने वाली यह पर्व श्रृंखला धार्मिक आस्था, पारिवारिक एकता, सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम है।

ज्योतिष ज्ञानपीठ की चेयरपर्सन एवं ज्योतिषाचार्या डॉ. सोनिका जैन के अनुसार वर्ष 2026 में दीपावली महापर्व का विशेष ज्योतिषीय एवं धार्मिक महत्व है। प्रत्येक पर्व का अपना अलग संदेश और पूजा का शुभ मुहूर्त है।

धनतेरस: आरोग्य, धन और समृद्धि का

पर्व शुक्रवार, 6 नवंबर 2026

कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को मनाया जाने वाला धनतेरस पर्व भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और कुबेर देवता की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। इस दिन सोना, चांदी, बर्तन तथा उपयोगी वस्तुओं की खरीदारी शुभ मानी जाती है।

पूजन का शुभ मुहूर्त: सायं 6:03 बजे से 7:58 बजे तक।

डॉ. सोनिका जैन के अनुसार धनतेरस का वास्तविक संदेश केवल धन अर्जित करना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, संतोष और सदाचार को जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति मानना है। इस दिन जरूरतमंदों की सहायता और दीपदान भी विशेष पुण्यदायी माना जाता है।

दीपावली: मां लक्ष्मी की आराधना और सकारात्मक ऊर्जा का महापर्व

रविवार, 8 नवंबर 2026

दीपावली का पर्व कार्तिक अमावस्या पर मनाया जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा कर सुख, शांति, बुद्धि और समृद्धि की कामना की जाती है।

लक्ष्मी-गणेश पूजन का शुभ मुहूर्त: सायं 5:55 बजे से 7:51 बजे तक।



डॉ. सोनिका जैन ने बताया कि दीपावली पर घर और प्रतिष्ठान की स्वच्छता, मुख्य द्वार पर दीप प्रज्वलन, रंगोली तथा श्रद्धापूर्वक पूजा का विशेष महत्व है। वास्तुशास्त्र के अनुसार स्वच्छ, सुव्यवस्थित और प्रकाशयुक्त वातावरण सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि दीपावली पर केवल घरों को रोशन करना पर्याप्त नहीं, बल्कि अपने विचारों और व्यवहार से भी ईर्ष्या, क्रोध और अहंकार का अंधकार दूर करना चाहिए।

जैन धर्म में दीपावली: भगवान महावीर का निर्वाण कल्याणक

जैन धर्म में दीपावली का अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक महत्व है। जैन परंपरा के अनुसार कार्तिक अमावस्या को 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी ने पावापुरी में निर्वाण प्राप्त किया था। उनके निर्वाण के उपलक्ष्य में दीप प्रज्वलित कर ज्ञान और मोक्ष के प्रकाश का स्मरण किया जाता है। वर्ष 2026 में 8 नवंबर को दीपावली मनाई जाएगी, जबकि 9 नवंबर, सोमवार को अमावस्या के अवसर पर अनेक दिगंबर जैन मंदिरों में भगवान महावीर का निर्वाण लाडू अर्पित किया जाएगा। डॉ. सोनिका जैन ने बताया कि जैन दीपावली का मूल संदेश आत्मशुद्धि, अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और आत्मकल्याण है। इस अवसर पर श्रद्धालु भगवान महावीर की पूजा, निर्वाण लाडू समर्पण, मंत्र जाप, स्वाध्याय और ध्यान करते हैं। भगवान महावीर के प्रमुख गणधर गौतम स्वामी को केवलज्ञान की प्राप्ति की स्मृति भी इस पर्व से जुड़ी है। जैन समाज में वीर निर्वाण संवत का विशेष महत्व है और यह पर्व सांसारिक वैभव से अधिक आत्मिक ज्ञान की प्रेरणा देता है।

गोवर्धन पूजा: प्रकृति संरक्षण और कृतज्ञता का संदेश

मंगलवार, 10 नवंबर 2026

गोवर्धन पूजा भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा करने की पौराणिक कथा से जुड़ी है। इस दिन गोवर्धन महाराज की पूजा और अन्नकूट भोग अर्पित करने की परंपरा है।

प्रात:कालीन शुभ मुहूर्त: सुबह 6:40 बजे से 8:50 बजे तक।

डॉ. सोनिका जैन के अनुसार गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति, गौवंश, अन्न और पर्यावरण के प्रति कृतज्ञ रहने की प्रेरणा देती है। वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना इस पर्व की भावना को और सार्थक बनाता है।

भाई दूज: भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का प्रतीक

बुधवार, 11 नवंबर 2026

कार्तिक शुक्ल द्वितीया को भाई दूज का पर्व मनाया जाता है। इस दिन बहनें भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनके सुख, स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करती हैं। भाई भी बहनों के प्रति प्रेम, सम्मान और सहयोग का संकल्प लेते हैं।

तिलक का शुभ मुहूर्त: दोपहर 1:10 बजे से 3:20 बजे तक।

डॉ. सोनिका जैन ने बताया कि भाई दूज केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि परिवार में प्रेम, विश्वास, सुरक्षा और भावनात्मक एकता बनाए रखने का सुंदर अवसर है।

दीपावली का वास्तविक संदेश है सेवा, सद्भाव और आत्मिक प्रकाश

डॉ. सोनिका जैन ने कहा कि दीपावली की सार्थकता तभी है जब हमारे उत्सव की खुशियां समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्ग तक भी पहुंचें। पर्व पर अनावश्यक दिखावे से बचकर जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण, जीवदया और सामाजिक सद्भाव को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, जिस घर में प्रेम, सदाचार, संतोष और सेवा का दीपक जलता है, वहीं सच्चे अर्थों में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। उन्होंने सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली, भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए मंगलमय, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना की।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

गढ़ गंगा मेले का भूमि पूजन कर गंगा आरती के साथ तैयारियों का हुआ शुभारंभ

जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, विधायक हरेंद्र तेवतिया और जिलाधिकारी कविता मीना व मुख्य विकास अधिकारी ने किया भूमि पूजन

वेलकम इंडिया/हरेन्द्र शर्मा







हापुड़। ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व रखने वाले कार्तिक पूर्णिमा गढ़ गंगा मेले-2026 के सफल आयोजन की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ गुरुवार को गढ़मुक्तेश्वर गंगा घाट पर भूमि पूजन और गंगा आरती के साथ किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेंद्र तेवतिया, जिलाधिकारी कविता मीना एवं मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने मेले के आयोजन स्थल पर पहुंचकर विधि-विधान से भूमि पूजन किया तथा मां गंगा की आरती कर मेले के सकुशल आयोजन की कामना की। भूमि पूजन के अवसर पर अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार एवं अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत शिशुपाल सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। धार्मिक अनुष्ठान के बाद गढ़ गंगा घाट पर मंडलायुक्त मेरठ भानु चंद्र गोस्वामी, डीआईजी मेरठ जोन कलानिधि नैथानी, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में मेले की तैयारियों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, आवागमन, स्नान घाटों की व्यवस्था, स्वच्छता, प्रकाश, पेयजल और कानून-व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी कविता मीना ने मेले से संबंधित सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्तिक पूर्णिमा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। उन्होंने अधिकारियों से उनकी जिम्मेदारियों और तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग अपनी कार्ययोजना के अनुसार समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करे। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से स्वच्छता व्यवस्था पर जोर देते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी, नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी और संबंधित ठेकेदारों को निर्देश दिए कि मेले में साफ-सफाई को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मेला क्षेत्र, प्रमुख मार्गों, स्नान घाटों और सार्वजनिक स्थानों पर नियमित सफाई कराई जाए। कूड़े के निस्तारण की समुचित व्यवस्था के साथ पर्याप्त सफाई कर्मचारियों की तैनाती भी सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने यातायात निरीक्षक को निर्देश दिए कि मेले में आने-जाने वाले सभी मार्गों का पहले से निरीक्षण कर लिया जाए। प्रमुख मार्गों, वैकल्पिक रास्तों और भीड़भाड़ वाले स्थानों को चिह्नित करते हुए यातायात प्रबंधन की प्रभावी योजना तैयार की जाए, ताकि किसी आपात स्थिति में तत्काल नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और मजिस्ट्रेटों को आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि मेले में भैंसा दौड़ जैसी गतिविधियों पर लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही विशेष निगरानी रखी जाए और इसे प्रतिबंधित कराना सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना या अप्रिय घटना न हो। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले के आयोजन से पहले अपने-अपने क्षेत्रों और मेला स्थल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लें। जहां भी कोई कमी या समस्या दिखाई दे, उसे समय रहते संबंधित विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर दूर कराया जाए।

उन्होंने स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को विशेष महत्व देते हुए संबंधित अधिकारियों को घाटों के किनारे समय से बैरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए। साथ ही मेले में इस बार वॉच टावर की ऊंचाई अधिक रखने और पूरे मेला क्षेत्र में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, जिससे भीड़ पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके और रात के समय श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो। मंडलायुक्त मेरठ भानु चंद्र गोस्वामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्तिक पूर्णिमा का गढ़ गंगा मेला धार्मिक और पौराणिक महत्व का आयोजन है। इसलिए सभी अधिकारी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन धैर्यपूर्ण, संवेदनशील और सौहार्दपूर्ण तरीके से करें।

बाबूगढ़ पुलिस ने 25 हजार के इनामी अपराधी सहित अंतरजनपदीय गिरोह के दो शातिर सदस्य दबोचे गये

मेरठ से चोरी की गई स्कूटी और अवैध असलहा बरामद, पांच जनपदों में करीब चार दर्जन मुकदमे दर्ज



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। थाना बाबूगढ़ पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 25 हजार रुपये के इनामी अपराधी सहित अंतरजनपदीय गिरोह के दो शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से जनपद मेरठ से चोरी की गई स्कूटी और अवैध असलहा बरामद किया है।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मुनीर शातिर चोर एवं अपराधी है। वह थाना बाबूगढ़ में दर्ज मुकदमा संख्या 71/2026, धारा 305ए, 331(4) बीएनएस तथा मुकदमा संख्या 104/2026, धारा 305ए बीएनएस में वांछित चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ जनपद हापुड़, रामपुर, मुरादाबाद, संभल और मेरठ में चोरी, लूट, गैंगस्टर एक्ट तथा आर्म्स एक्ट सहित करीब चार दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

शौर्य शक्ति फाउंडेशन के शिक्षा सम्मेलन में 1000 मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। शौर्य शक्ति फाउंडेशन के नेतृत्व में प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी कुचेसर रोड चौपला पर भव्य शिक्षा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में 1000 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा जगत से जुड़े हजारों लोगों ने भाग लिया।शिक्षा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला सभा श्रीमती जूही सिंह शामिल हुईं। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व एमएलसी प्रत्याशी और हापुड़ जनपद प्रभारी प्रोफेसर धर्मेंद्र यादव मौजूद रहे।मुख्य अतिथि जूही सिंह ने कहा कि शौर्य शक्ति फाउंडेशन हापुड़ जनपद में लगातार छात्र-छात्राओं के हित में कार्य कर रहा है। आज संगठन के माध्यम से 1000 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में समाजवादी सरकार बनने पर शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक कार्य किए जाएंगे। प्रत्येक जिले में विश्वविद्यालय स्थापित करने की दिशा में प्रयास होगा, जिससे बच्चों को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने और रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर धर्मेंद्र यादव ने कहा कि आज शिक्षा बेहद महंगी हो गई है और आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही है। मेडिकल की पढ़ाई के लिए करोड़ों रुपये की आवश्यकता पड़ती है। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना लगातार कठिन होता जा रहा है। ऐसे में शिक्षा को सस्ता और सुलभ बनाने की आवश्यकता है।शौर्य शक्ति फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि शिक्षा सम्मेलन के माध्यम से मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के साथ ही संगठन आने वाले समय में गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा के प्रत्येक स्कूल में बेहतर शिक्षा के लिए संसाधन जुटाने में सहयोग करेगा। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के 40 विद्यालयों के 1000 से अधिक छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक सम्मेलन में शामिल हुए।आशुतोष शर्मा ने कहा कि गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा में आज भी कई ऐसे विद्यालय हैं, जहां डिजिटल शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। संगठन ऐसे विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर कार्य कर बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने में सहयोग करेगा।संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने बताया कि शौर्य शक्ति फाउंडेशन शिक्षा में बदलाव और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए लंबे समय से कार्य कर रहा है। संगठन अब तक 10 हजार से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर चुका है।कार्यक्रम का संचालन अंकित भड़ाना ने किया। उन्होंने बताया कि शौर्य शक्ति फाउंडेशन की टीम शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। संगठन से हापुड़ जनपद में 50 हजार से अधिक लोग सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।कार्यक्रम में ऑस्कर विजेता स्नेहा गुर्जर ने भी सहभागिता की। उन्होंने कहा कि गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा की लड़कियों के लिए संगठन लगातार कार्य करता रहा है और भविष्य में भी उनके हित में कार्य जारी रहेगा।सम्मेलन में समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती जूही सिंह, प्रोफेसर धर्मेंद्र यादव, विजेंद्र शर्मा, नानक चंद शर्मा, आदेश गुर्जर, सुनील शर्मा, संदीप यादव, अलीपुर समिति की डायरेक्टर राजेश देवी सहित हजारों लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमन्त्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत 286 जोडो का विवाह विधि विदान से हुआ सम्पन्न

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया





प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी योजना समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत राजकीय इण्टर कालेज प्रतापगढ़ के ग्राउण्ड में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत 286 जोड़ों का विवाह पूरे विधि विधान के साथ भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में विकास खण्ड कुण्डा, कालाकांकर, लक्ष्मणपुर, संडवा चन्द्रिका एवं मंगरौरा के 160 अनुसूचित वर्ग, पिछड़ा वर्ग के 120, सामान्य वर्ग के 03 व 03 मुस्लिम जोड़े विवाह के बंधन में बंधे। सभी शादियां अपने रीति रिवाज के अनुसार हुई हिंदू धर्म की शादी वेद मंत्रों के उच्चारण के माध्यम से व मुस्लिम शादियां निकाह के माध्यम से संपन्न की गई। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, मुख्य विकास अधिकारी डा0 राममोहन मीना, एमएलसी अमरपाल मौर्य के प्रतिनिधि राय साहब सिंह, सांसद प्रतिनिधि बी0एल0 पटेल, ज्वाइन्ट मजिस्टेज्ट अभिषेक सेहरा, जिला विकास अधिकारी आलोक आर्य, जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य सहित अन्य अतिथियों ने नव दांपत्य जोड़ों को प्रमाण पत्र का वितरण कर आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य ने सभी जोड़ो को बधाई देते हुये समाज कल्याण विभाग द्वारा किये गये भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम की प्रशंसा की और कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत गरीब परिवार की बेटियों को परिणय सूत्र में बांधने का कार्य कर रही है। उन्होने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी का सपना है कि कोई पिता अपने पुत्री की शादी करने से वंचित नहीं रहना चाहिए इसलिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना चलाई गई है। यह योजना गरीब, असहाय एवं निर्धन व्यक्तियों के पुत्रियों के जीवन में खुशहाली लाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने आये हुये अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत एक जोड़े पर सरकार द्वारा 1 लाख रुपए की धनराशि खर्च की जाती है जिसमें 64 हजार रुपए लड़की के खाते में, 21 हजार की सामग्री व 15 हजार रुपए की धनराशि से विवाह कार्यक्रम के आयोजन पर व्यय किए जाते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम में नामित जनपद स्तरीय अधिकारी/खण्ड विकास अधिकारी, समाज कल्याण विभाग से मुन्नीलाल राणा, मनोज कुमार व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सामूहिक रूप से डा0 मो0 अनीस एवं धर्मेन्द्र ओझा द्वारा किया गया।

दीपावली पर मिलावटखोरी के खिलाफ खाद्य विभाग की कार्रवाई

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। दीपावली पर्व के मद्देनजर आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जनपद में 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के तहत खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच का अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न बाजारों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करते हुए कुल 08 खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए गए। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश के क्रम में सहायक आयुक्त (खाद्य)।। अभय कुमार सिंह के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में खाद्य सचल दल ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। टीम ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अनुरूप न होने की आशंका वाले खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। अभियान के दौरान कुण्डा क्षेत्र के डेरवा स्थित मौर्या मटर पनीर केन्द्र से पनीर, हीरागंज स्थित शिवशक्ति मिष्ठान से कलाकन्द तथा मानिकपुर स्थित श्री मिष्ठान भण्डार से बेसन लड्डू का नमूना लिया गया। इसी प्रकार गड़वारा स्थित शिव स्वीट्स से पेड़ा का नमूना संग्रहित किया गया। इसके अतिरिक्त पट्टी क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से बेसन एवं पेड़ा के एक-एक नमूने तथा बेसन का एक अन्य नमूना लिया गया। वहीं मान्धाता क्षेत्र स्थित एक खाद्य प्रतिष्ठान से दूध का नमूना संग्रहित किया गया। इस प्रकार खाद्य सचल दल द्वारा 08 आठ नमूने संग्रहित किए गए, जिन्हें विश्लेषण के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। खाद्य विभाग द्वारा दीपावली पर्व को देखते हुए खोया, पनीर, दूध, घी, मिठाई, नमकीन, ड्राई फ्रूट, खाद्य तेल, वनस्पति तथा रंगीन मीठे खाद्य पदार्थों के भंडारण एवं बिक्री की लगातार निगरानी की जा रही है। विभाग का उद्देश्य मिलावटी एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाते हुए उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है।

जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में दीपावली मेला-2026 की रही धूम, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और आकर्षक स्टॉलों ने बांधा समां

50 से अधिक आकर्षक स्टॉल, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मनोरंजक खेल और झूलों ने मोहा मन; लकी ड्रॉ में 21 विद्यार्थियों को मिले आकर्षक उपहार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, हापुड़ के मुख्य प्रांगण में दीपावली मेला-2026 का भव्य एवं रंगारंग आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। दीपावली के उल्लास से सराबोर इस मेले में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, सांस्कृतिक प्रतिभा, प्रबंधन कौशल और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। मेले में 50 से अधिक आकर्षक खाद्य एवं खेल स्टॉल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मनोरंजक गतिविधियां, झूले और रोमांचक लकी ड्रॉ विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और विद्यार्थियों के साथ-साथ अतिथियों ने भी आयोजन का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ संस्थान के फाउंडर चेयरमैन राकेश सिंघल ने मुख्य अतिथि तथा वाइस चेयरमैन डॉ. हिमांशु सिंघल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. आयुष सिंघल, सचिव डॉ. रोहन सिंघल, महानिदेशक प्रो. (डॉ.) सुभाष गौतम, प्राचार्य डॉ. धीरज सैनी, डीन फार्मेसी प्रो. अभिनीत चौधरी, डीन इंजीनियरिंग इंजी. सीबा खालिद और जेएमएस वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मेले में विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए 50 से अधिक फूड एवं गेम्स स्टॉल लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे। विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने प्रोफेशनल क्लब, टेक्निकल क्लब, मैनेजमेंट क्लब, ट्रेडिशनल क्लब, मेडिकल क्लब और साइंस क्लब के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने खानपान से लेकर मनोरंजक खेलों और तकनीकी गतिविधियों तक विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों के माध्यम से विद्यार्थियों ने न केवल अपनी रचनात्मकता दिखाई, बल्कि योजना बनाने, संसाधनों का प्रबंधन करने, ग्राहकों से संवाद स्थापित करने और सामूहिक रूप से कार्य करने का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया। फाउंडर चेयरमैन राकेश सिंघल ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का समर्पण, अनुशासन, आपसी समन्वय और टीम भावना प्रशंसनीय है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने के साथ उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. आयुष सिंघल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर देते हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, उद्यमशीलता, निर्णय लेने की योग्यता और प्रबंधन कौशल विकसित होता है। सचिव डॉ. रोहन सिंघल ने विद्यार्थियों के उत्साह और प्रतिस्पर्धात्मक भावना की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देती है। वाइस चेयरमैन डॉ. हिमांशु सिंघल ने कहा कि विद्यार्थियों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पहले से ही विशेष तैयारियां की थीं। विभिन्न क्लबों ने अपने-अपने बैनर तले आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। विद्यालय और महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने अतिथियों और दर्शकों का मन मोह लिया। नृत्य, संगीत और अन्य रंगारंग कार्यक्रमों ने दीपावली मेले के उत्साह को और बढ़ा दिया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित लकी ड्रॉ विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसमें चयनित 21 विद्यार्थियों को विभिन्न आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। पुरस्कारों में एलईडी टीवी, वैक्यूम क्लीनर, इडली मेकर, डीजे स्पीकर, कैसरोल, लंच बॉक्स और गिफ्ट हैम्पर्स शामिल रहे। लकी ड्रॉ में बीबीए प्रथम वर्ष के फैज चौधरी ने प्रथम पुरस्कार के रूप में एलईडी टीवी जीता। बीसीए प्रथम वर्ष के आकाश विश्वास ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि बीकॉम की छात्रा हर्षिता तृतीय पुरस्कार की विजेता बनीं। पुरस्कारों की घोषणा के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला और विजेताओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। मेले में विद्यार्थियों के मनोरंजन के लिए प्रबंधन समिति की ओर से विभिन्न आकर्षक झूलों की व्यवस्था की गई थी। छात्र-छात्राओं ने झूलों और मनोरंजक गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया। महोत्सव के दूसरे चरण में डीजे की धुनों पर विद्यार्थियों ने शानदार नृत्य प्रस्तुतियां दीं। संगीत, उमंग और उत्साह से भरे माहौल ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) सुभाष गौतम ने फाउंडर चेयरमैन राकेश सिंघल, वाइस चेयरमैन डॉ. हिमांशु सिंघल, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. आयुष सिंघल, सचिव डॉ. रोहन सिंघल एवं समस्त प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने जेएमएस वर्ल्ड स्कूल, जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस हापुड़ एवं जेएमएसआईटी गाजियाबाद के अधिकारियों, डीन, प्राचार्यों, शिक्षकों, सांस्कृतिक समिति के सदस्यों और समस्त स्टाफ को दीपावली महोत्सव की सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्यों, रचनात्मकता, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं। साथ ही संस्थान की सकारात्मक एवं समावेशी शैक्षणिक संस्कृति को मजबूत बनाते हैं।

त्योहारों पर शांति व्यवस्था को लेकर पीस कमेटी की बैठक, सौहार्द बनाए रखने की अपील

मंडलायुक्त वैभव श्रीवास्तव और डीआईजी संजीव त्यागी की मौजूदगी में हुई बैठक, अधिकारियों को सुरक्षा, यातायात और निगरानी व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। आगामी दीपावली, छठ पूजा, भैया दूज एवं लक्ष्मी प्रतिमा विसर्जन सहित अन्य त्योहारों को सकुशल, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मंडलायुक्त बस्ती वैभव श्रीवास्तव एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र संजीव त्यागी की उपस्थिति में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों ने त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, सुरक्षा प्रबंध मजबूत करने और आपसी भाईचारा कायम रखने पर विशेष जोर दिया। साथ ही जनपद के संभ्रांत नागरिकों, धर्मगुरुओं और आयोजनकताओं से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। बैठक में जिलाधिकारी अनुज मलिक, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी धनघटा अभयनाथ मिश्रा तथा क्षेत्राधिकारी मेहदावल सर्वदवन सिंह सहित जनपद के समस्त थाना प्रभारी मौजूद रहे। विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए संभ्रांत नागरिकों, धर्मगुरुओं और त्योहारों के आयोजकों ने भी बैठक में प्रतिभाग किया। अधिकारियों ने सभी से संवाद कर स्थानीय समस्याओं और त्योहारों के आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

बैठक के दौरान मंडलायुक्त और डीआईजी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी त्योहारों को आपसी प्रेम, भाईचारे और पारस्परिक सौहार्द के साथ मनाया जाए। किसी भी नई परंपरा की शुरूआत नहीं की जाएगी और सभी धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम पूर्व से निर्धारित परंपराओं के अनुसार ही आयोजित किए जाएंगे। आयोजनकर्ता प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए कार्यक्रम संपन्न कराएं। लक्ष्मी प्रतिमा विसर्जन के दौरान निर्धारित मार्गों और स्थलों का ही उपयोग किया जाए तथा विसर्जन के समय सुरक्षा और यातायात प्रबंधन का विशेष ध्यान रखा जाए। अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी आयोजक समय रहते आवश्यक अनुमति और व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, ताकि कार्यक्रमों के दौरान आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो।



धर्मगुरुओं और संभ्रांत नागरिकों से भी अपील की गई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रेरित करें। बैठक में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को संवेदनशील तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। बाजारों, प्रमुख चौराहों, धार्मिक स्थलों और प्रतिमा विसर्जन स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के साथ नियमित पैदल गश्त और क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहकर निगरानी रखने को कहा गया। अधिकारियों ने यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने, भीड़ नियंत्रण के लिए आवश्यक प्रबंध करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पहले से तैयारी पूरी रखने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही त्योहारों के दौरान बिजली, साफ-सफाई, पेयजल और अन्य आवश्यक जनसुविधाओं पर भी ध्यान देने की आवश्यकता बताई गई, ताकि श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में आयोजकों के साथ समन्वय बनाए रखने और स्थानीय स्तर पर आने वाली समस्याओं का समय रहते समाधान कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक और अफवाह फैलाने वाली सूचनाओं को लेकर भी अधिकारियों ने गंभीरता दिखाई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक, भड़काऊ या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली पोस्ट सामने आने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। आमजन से अपील की गई कि किसी भी अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करें और बिना सत्यापन के किसी संदेश, वीडियो या पोस्ट को आगे साझा न करें। अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना केवल पुलिस और प्रशासन की ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि, विवाद या अव्यवस्था की सूचना तत्काल पुलिस को दी जाए, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक के अंत में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने जनपदवासियों से दीपावली, छठ पूजा, भैया दूज और लक्ष्मी प्रतिमा विसर्जन सहित सभी त्योहारों को प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि सभी समुदायों के लोग एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें और त्योहारों की खुशियों को आपसी सौहार्द के साथ साझा करें।

वरिष्ठ पत्रकार शोभित पांडेय के अंतिम संस्कार में उमड़ी भीड़, पूर्व विधायक जय चौबे ने बिड़हर घाट पहुंच दी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद के प्रतिष्ठित व वरिष्ठ पत्रकार, 'हिन्दुस्तान' समाचार पत्र के रिपोर्टर तथा 'अमर उजाला' के पूर्व जिला प्रभारी शोभित पांडेय का आकस्मिक निधन पत्रकारिता जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके निधन की खबर मिलते ही समूचे जनपद और मीडिया जगत में शोक की लहर दौड़ गई।घाघरा नदी के तट पर स्थित बिड़हर घाट पर शोकाकुल माहौल में दिवंगत पत्रकार शोभित पांडेय का अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। इस दौरान उनके अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राजनीति, सामाजिक संगठन और पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों का तांता लगा रहा।पूर्व विधायक दिग्विजय



नारायण उर्फ जय चौबे ने बिड़हर घाट पहुंचकर दिवंगत आत्मा के अंतिम दर्शन किए और पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व विधायक ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और इस कठिन घड़ी में हर संभव सहयोग का भरोसा दिया।श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्व विधायक जय चौबे ने कहा, ₹शोभित पांडेय जी एक निर्भीक, निष्पक्ष और जमीनी पत्रकार थे। उन्होंने सदैव जनसरोकार और समाज के दबे-कुचले वर्ग की आवाज को प्रमुखता से उठाया। उनका असमय जाना न केवल मीडिया जगत बल्कि संपूर्ण जनपद के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनकी कमी को कभी पूरा नहीं किया जा सकता। बिड़हर घाट पर मौजूद पत्रकारों, समाजसेवियों और स्थानीय नागरिकों ने नम आंखों से अपने प्रिय मित्र और वरिष्ठ पत्रकार को अंतिम विदाई दी। मुखाग्नि के समय घाट पर मौजूद हर शख्स की आंखें नम थीं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करे और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दे। ॐ शांति

सरस मेले में स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों का जिलाधिकारी अनुज मलिक ने किया निरीक्षण, महिलाओं का बढ़ाया उत्साह

हीरालाल इंटर कॉलेज परिसर में लगे 22 स्टालों पर दीपावली से जुड़े उत्पादों की बिक्री, मेले की अवधि एक दिन बढ़ाने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके हुनर को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत हीरालाल इंटर कॉलेज, खलीलाबाद परिसर में सरस मेले का आयोजन किया गया है। दीपावली के शुभ अवसर पर आयोजित इस मेले का जिलाधिकारी अनुज मलिक ने निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न स्टालों पर पहुंचकर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को देखा और उनके कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। मेले में कुल 22 स्टाल लगाए गए हैं, जिन पर स्वयं सहायता समूहों की



महिलाओं द्वारा तैयार किए गए दैनिक उपयोग और दीपावली से संबंधित उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें दीये, बाती, मोमबत्तियां, अगरबत्ती, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, सजावटी सामान, कपड़े, सौंदर्य प्रसाधन, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, झाड़ू तथा गुड़ से निर्मित उत्पाद प्रमुख रूप से शामिल हैं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक स्टाल पर जाकर समूह की महिलाओं से बातचीत की और उत्पादों की गुणवत्ता, निर्माण तथा बिक्री के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे मेलों के माध्यम से महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का बेहतर अवसर मिलता है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपायुक्त स्वतः रोजगार को निर्देश दिए कि मेले की अवधि एक दिन बढ़ाई जाए, ताकि स्टालों पर बची हुई सामग्री की बिक्री के लिए महिलाओं को अतिरिक्त अवसर मिल सके। इसके तहत 6 नवंबर 2026 को विकास भवन, संतकबीरनगर परिसर स्थित डीपीआरसी भवन में मेले का आयोजन कर शेष उत्पादों की बिक्री सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। इससे महिलाओं की आय बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

यम द्वितीया मेले के राजकीय दर्जे की राह हुई आसान, परशुराम द्वार का प्रस्ताव भी पास

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। विश्व प्रसिद्ध मथुरा की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव मंगलवार को नगर निगम की बैठक में पारित किए गए। वार्ड संख्या 56 की पार्षद नीनू कुंजबिहारी भारद्वाज की पहल पर विश्व प्रसिद्ध यम द्वितीया मेले को राजकीय मेले का दर्जा दिलाने तथा मिलन तिराहे (द्वारका पेड़े वाले मार्ग) का नाम भगवान परशुराम द्वार किए जाने का प्रस्ताव सदन में रखा गया।

यम द्वितीया मेला मथुरा की प्राचीन धार्मिक परंपरा का प्रमुख आयोजन है। इस अवसर पर विश्राम घाट सहित यमुना के विभिन्न घाटों पर लाखों श्रद्धालु भाई-बहन स्नान करने पहुंचते हैं। मेले के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को देखते हुए इसे राजकीय दर्जा दिलाने की मांग लंबे समय से उठ रही है। यमुना



महारानी आरती मुकुट मंडल समिति के महामंत्री शरद चतुर्वेदी ने इसी वर्ष 13 अप्रैल को इस संबंध में पत्र लिखा था। इसके बाद पार्षद ने 15 अप्रैल को नगर आयुक्त को प्रस्ताव सौंपा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने भी 22 मई को प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया था। अब नगर निगम में प्रस्ताव पारित होने के बाद अंतिम निर्णय शासन स्तर से होना है। वहीं, मिलन तिराहे का नाम भगवान परशुराम द्वार किए जाने के प्रस्ताव पर भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति एवं श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने पार्षद का आभार जताया। समिति के संस्थापक श्याम शर्मा और कार्यकारिणी अध्यक्ष संजय हरियाणा ने कहा कि यह नामकरण क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देने वाला कदम है। उन्होंने नामकरण की शेष औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कराने की अपेक्षा जताई।

चिकित्सा जगत के चर्चित चेहरे डॉ. चित्रसेन श्रीवास्तव की राजनीति में एंट्री, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक नियुक्त

संतकबीरनगर के बंधवा गांव से जुड़ा है नाता; नियुक्ति के बाद जिले के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। चिकित्सा जगत में अपनी अलग पहचान बनाने वाले डॉ. चित्रसेन श्रीवास्तव ने अब राजनीति के क्षेत्र में भी कदम रख दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें पार्टी के चिकित्सा प्रकोष्ठ का प्रदेश सह संयोजक नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के साथ ही उन्हें संगठन में प्रदेश स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। चिकित्सा क्षेत्र में सक्रिय पहचान रखने वाले डॉ. चित्रसेन की इस नई भूमिका को संतकबीरनगर की राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मूल रूप से संतकबीरनगर जिले के बंधवा गांव के निवासी डॉ. चित्रसेन श्रीवास्तव शंभूनाथ मेमोरियल हॉस्पिटल एवं पैरा मेडिकल कॉलेज के प्रबंध निदेशक हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय रहते हुए उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। अस्पताल और चिकित्सा शिक्षा से जुड़े कार्यों के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी ने भी उन्हें क्षेत्र में परिचित चेहरा बनाया है। डॉ. चित्रसेन श्रीवास्तव को भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ में प्रदेश सह संयोजक की जिम्मेदारी मिलने के बाद उनके सार्वजनिक और संगठनात्मक जीवन का नया अध्याय शुरू हुआ है। अब तक चिकित्सा सेवाओं और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से लोगों के बीच सक्रिय



रहने वाले डॉ. चित्रसेन को पार्टी ने प्रदेश स्तर पर काम करने का अवसर दिया है। इस जिम्मेदारी के तहत चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों और संगठन के बीच समन्वय बनाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। डॉ. चित्रसेन की नियुक्ति को लेकर संतकबीरनगर के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं। जिले से जुड़े किसी चिकित्सा क्षेत्र के व्यक्ति को भाजपा संगठन में प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी मिलना स्थानीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। उनके समर्थकों और परिचितों में नियुक्ति को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। हालांकि, उनकी राजनीतिक सक्रियता आने वाले समय में किस दिशा में आगे बढ़ेगी, यह भविष्य में स्पष्ट होगा। फिलहाल भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ में मिली नई जिम्मेदारी के साथ डॉ. चित्रसेन श्रीवास्तव की राजनीतिक पारी शुरू हो गई है। अब संगठन में उनकी सक्रियता और कार्यशैली पर जिले के लोगों की निगाहें रहेंगी। डॉ. चित्रसेन श्रीवास्तव की इस नियुक्ति को चिकित्सा क्षेत्र में उनके अनुभव और सामाजिक सक्रियता को संगठनात्मक स्तर पर आगे बढ़ाने के अवसर के रूप में भी देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि प्रदेश सह संयोजक के रूप में उन्हें चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों की समस्याओं, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और जनहित से जुड़े विषयों पर संगठन के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा। उनकी जिम्मेदारी केवल पद तक सीमित न रहकर संगठन की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को जोड़ने की भी होगी। अब देखना होगा कि वह इस नई जिम्मेदारी को किस तरह निभाते हैं।

गोवर्धन में आज लगेगा वृहद पेंशन शिविर, मौके पर ही होंगे आवेदन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से वंचित पात्र लोगों को लाभ दिलाने के लिए 5 नवंबर को विकास खंड कार्यालय परिसर गोवर्धन में वृहद पेंशन शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से शुरू होगा। जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने बताया कि शिविर में वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन और दिव्यांग पेंशन के लिए अलग-अलग काउंटर लगाए जाएंगे।

पात्र लोगों के ऑनलाइन आवेदन और अभिलेखों का सत्यापन मौके पर ही किया जाएगा। वृद्ध एवं दिव्यांग आवेदकों की सुविधा के लिए सहायता डेस्क भी बनाई जाएगी। आवेदन के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक, पासपोर्ट साइज फोटो, आय प्रमाण पत्र और मोबाइल नंबर लाना अनिवार्य है। इसके अलावा वृद्धावस्था पेंशन के लिए आयु प्रमाण पत्र, निराश्रित महिला पेंशन के लिए पति का मृत्यु प्रमाण पत्र तथा दिव्यांग पेंशन के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र साथ लाना होगा। जिलाधिकारी ने गोवर्धन विकास खंड के पात्र नागरिकों से शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है। साथ ही ग्राम प्रधानों एवं ग्राम पंचायत अधिकारियों को पात्र लोगों को शिविर तक पहुंचाने में सहयोग करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी के अभाव या आवेदन प्रक्रिया की कठिनाइयों के कारण सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभ से वंचित न रहे। शिविर में संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहकर आवेदकों को आवेदन करने तथा आवश्यक अभिलेख पूरे करने में सहायता करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र लाभार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर भी जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

दशहरा मेला मैदान में लगाया स्वच्छता जागरूकता कैंप, नगर पालिका ने दिया स्वच्छ और सुंदर लखीमपुर बनाने का संदेश

वेलकम इंडिया/मोहम्मद असलम

लखीमपुर-खीरी। शहर को स्वच्छ, सुंदर और कचरा मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद लखीमपुर-खीरी द्वारा बुधवार को स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय 2.0) के अंतर्गत ऐतिहासिक दशहरा मेला मैदान में स्वच्छता जागरूकता कैंप आयोजित किया गया। कैंप के माध्यम से आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए घरों से निकलने वाले कूड़े-कचरे के उचित निस्तारण की जानकारी दी गई। नगर पालिका परिषद की इस पहल का उद्देश्य शहर के प्रत्येक वार्ड को स्वच्छ बनाना और नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। कैंप में लोगों को बताया गया कि स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया



जा सकता है। स्वच्छता जागरूकता अभियान के अंतर्गत नागरिकों को ह्यमेरा कूड़ा मेरी जिम्मेदारी, मेरा वार्ड कचरा मुक्तह्ण का संदेश दिया गया। लोगों से अपील की गई कि वे अपने घरों से निकलने वाले कचरे को इधर-उधर न फेंकें और उसे निर्धारित तरीके से सफाई कर्मचारियों को उपलब्ध कराएं। कैंप के माध्यम से नागरिकों को घरेलू कचरे को चार श्रेणियों में अलग-अलग रखने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। गीले कचरे में रसोई का कचरा, सब्जियों एवं फलों के छिलके, अंडे के छिलके तथा चिकन-मछली की हड्डियां शामिल हैं, जिनसे जैविक खाद तैयार की जा सकती है। सूखे कचरे में प्लास्टिक कवर, बोतलें, चिप्स एवं टॉफी के रैपर, पेपर कप, प्लेट और दूध-दही के पैकेट शामिल हैं, जिनका पुनः उपयोग एवं रिसाइक्लिंग संभव है। वहीं, सैनिटरी कचरे में सैनिटरी पैड, डायपर और अन्य सैनिटरी सामग्री को सामान्य कचरे से अलग रखने की आवश्यकता बताई गई। इसके अलावा टूटे हुए कांच और इंजेक्शन जैसी सामग्री को सुरक्षित तरीके से निस्तारित करने तथा रसायन, पेंट, बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक कचरे को भी सामान्य कूड़े से अलग रखने की अपील की गई। नगर पालिका की ओर से जारी जागरूकता अपील में बताया गया कि कचरे को अलग-अलग रखने से उसके सही निस्तारण में आसानी होती है और पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। गीले कचरे से खाद तैयार करने तथा सूखे कचरे के पुनः उपयोग से संसाधनों की बचत भी संभव है। कचरे का उचित निस्तारण होने से नालियों में गंदगी जमा होने, दुर्गंध फैलने और आसपास के वातावरण के प्रदूषित होने जैसी समस्याओं को कम किया जा सकता है। इससे शहरवासियों को स्वच्छ वातावरण मिलेगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य की दिशा में भी सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

ब्रजरज उत्सव से चोरी हुई दूरदर्शन के वरिष्ठ पत्रकार की बाइक छह दिन बाद भी बरामद नहीं, कोतवाली पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल

मथुरा (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण द्वारा अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को लेकर लगातार सख्त निर्देश दिए जा रहे हैं, लेकिन मथुरा में वाहन चोरी की एक घटना ने स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। थाना कोतवाली क्षेत्र के धौली प्याऊ स्थित ब्रजरज उत्सव स्थल से दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के वरिष्ठ पत्रकार मुहम्मद उमर कुरैशी की मोटरसाइकिल चोरी हुए छह दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक बाइक का कोई सुराग नहीं लग सका है। घटना को लेकर पत्रकारों में नाराजगी व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, 29 अक्टूबर 2026 की शाम वरिष्ठ पत्रकार मुहम्मद उमर कुरैशी ब्रजरज उत्सव में दूरदर्शन और आकाशवाणी के लिए समाचार संकलन करने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल संख्या वढ-85-अक्र-1177 उत्सव स्थल के पास खड़ी की थी। आरोप है कि अज्ञात चोर मौका पाकर उनकी मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी होने पर पत्रकार ने पुलिस को सूचना दी और शिकायत दर्ज कराई। घटना के बाद से पीड़ित पत्रकार अपनी मोटरसाइकिल की बरामदगी के लिए पुलिस से कार्रवाई की उम्मीद लगाए हुए हैं, लेकिन छह दिन गुजर जाने के बाद भी बाइक का पता नहीं चल पाया है। सार्वजनिक आयोजन स्थल से वाहन चोरी होने और अब तक बरामदगी न होने से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

पत्रकारों का कहना है कि ब्रजरज उत्सव जैसे बड़े आयोजन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। ऐसे स्थानों पर वाहन सुरक्षा और निगरानी के पर्याप्त इंतजाम होने चाहिए। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कराने, संदिग्धों की पहचान करने और मोटरसाइकिल जल्द बरामद कराने की मांग की है। फिलहाल पीड़ित पत्रकार की मोटरसाइकिल बरामद नहीं हुई है। अब देखना होगा कि कोतवाली पुलिस मामले में कितनी तेजी से कार्रवाई करती है और चोरी हुए वाहन का पता कब तक लगा पाती है।

जिला आपदा प्रबंधन योजना को प्रभावी बनाने की तैयारी, विभागों की तय होंगी जिम्मेदारियां

वेलकम इंडिया संवाददाता



पीलीभीत। जनपद में बाढ़, आग, तूफान, वज्रपात और अन्य प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से होने वाली जन-धन की हानि को कम करने के लिए जिला आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने की कवायद तेज हो गई है। बुधवार को गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में नगर मजिस्ट्रेट पीएल मौर्य की अध्यक्षता में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। इसमें आपदा से निपटने की तैयारियों, उपलब्ध संसाधनों और विभागों की जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में नगर मजिस्ट्रेट ने कहा कि जनपद की स्थानीय परिस्थितियों और संभावित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक एवं अद्यतन आपदा प्रबंधन योजना तैयार करना आवश्यक है। पीलीभीत बाढ़, आग, तूफान, वज्रपात, सड़क दुर्घटना, मानव-वन्यजीव संघर्ष, सर्पदंश और डूबने जैसी घटनाओं के लिहाज से संवेदनशील है। ऐसे में आपात स्थिति से निपटने के लिए पहले से तैयारी और विभागों के बीच बेहतर तालमेल बेहद जरूरी है।इस दौरान अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड पूरनपुर ने जनपद में बाढ़ की जोखिम संवेदनशीलता और संभावित परिस्थितियों की जानकारी दी। वहीं राज्य स्तर से प्राधिकृत टैरुटियम ग्लोबल कंसल्टिंग एजेंसी के टीम लीडर एवं डीआरआर विशेषज्ञ शैलेश कुमार ने आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने संबंधित विभागों से उपलब्ध मानव संसाधन, उपकरण, राहत सामग्री, आपातकालीन संपर्क नंबर और कार्ययोजना से जुड़ी आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराने की अपेक्षा की।बैठक में आपदा से पहले की तैयारियों, आपदा के दौरान त्वरित राहत एवं बचाव कार्य और आपदा के बाद पुनर्वास की व्यवस्था पर चर्चा हुई। इसके साथ ही संवेदनशील स्थलों का चिन्हांकन, जनजागरूकता अभियान, मॉक ड्रिल, प्रशिक्षण और सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान की व्यवस्था को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। अधिकारियों से आपात स्थिति में अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने की अपेक्षा की गई। बैठक में उपजिलाधिकारी अनुराग पांडेय, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. भुवनचंद्र पंत, जिला पूर्ति अधिकारी राजीव तिवारी, अधिशासी अभियंता आशुतोष कुमार, मुख्य राजस्व लेखाकार छेदा लाल, आपदा विशेषज्ञ भगवती प्रसाद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

साइबर ठगों से रहें सतर्क, अनजान किसी भी लिंक पर क्लिक न करें: नफीस अहमद



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। दीपावली के पर्व पर बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए थाना पुलिस और साइबर पुलिस की ओर से नगर के मुख्य चौराहे पर साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने राहगीरों और स्थानीय लोगों को साइबर ठगी के नए-नए तरीकों के बारे में जानकारी देते हुए सतर्क रहने की अपील की।कार्यक्रम में उपनिरीक्षक नफीस और हेड कांस्टेबल सोनवीर सिंह ने लोगों को बताया कि त्योहारों के दौरान साइबर ठग सक्रिय हो जाते हैं। ठग आकर्षक ऑफर, गिफ्ट, कैशबैक और अन्य प्रलोभन देकर लोगों के मोबाइल पर अनजान लिंक भेजते हैं। ऐसे लिंक पर क्लिक करते ही लोगों की निजी और बैंक संबंधी जानकारी चोरी होने का खतरा रहता है। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपने बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी, एटीएम पिन और पासवर्ड साझा न करें। पुलिसकर्मियों ने बताया कि साइबर ठग लगातार धोखाधड़ी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं और भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। इसलिए किसी भी संदिग्ध कॉल, मैसेज या लिंक से सावधान रहें। ऑनलाइन खरीदारी करते समय भी विश्वसनीय वेबसाइट का ही इस्तेमाल करें। पुलिस ने लोगों से अपील की कि साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

पढ़ाई, अनुशासन और संस्कारों की कसौटी पर परखा गया विद्यालय

आरएसआरडी सरस्वती विद्या मंदिर में वार्षिक निरीक्षण शुरू, दूसरे दिन अभिभावकों से होगा संवाद

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। नगर के रामस्वरूप रामदुलारी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को दो दिवसीय वार्षिक निरीक्षण का शुभारंभ हुआ। भारतीय शिक्षा समिति, पश्चिम उत्तर प्रदेश के अंतर्गत संचालित विद्यालय में 4 और 5 नवंबर को होने वाले इस निरीक्षण का उद्देश्य शैक्षिक गुणवत्ता, शिक्षण पद्धति, अनुशासन, प्रशासनिक व्यवस्था और संस्कार आधारित शिक्षा का मूल्यांकन करना है।निरीक्षण के प्रथम दिन दल के सदस्यों ने विद्यालय की शैक्षिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का बारीकी से जायजा लिया। कक्षाओं में पहुंचकर शिक्षकों की शिक्षण शैली, विषयों की प्रस्तुति, विद्यार्थियों की सहभागिता और अनुशासन को परखा गया।इसके साथ ही छात्र संसद के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर छात्र नेतृत्व, जिम्मेदारियों और विद्यालय की व्यवस्थाओं में विद्यार्थियों की भूमिका पर चर्चा की गई।निरीक्षण दल ने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ बैठक कर शैक्षिक उपलब्धियों, वर्तमान व्यवस्थाओं तथा भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया। विद्यालय कार्यालय में अभिलेखों और प्रशासनिक दस्तावेजों की जांच की गई। वहीं कंप्यूटर विज्ञान, भौतिक विज्ञान और जीव विज्ञान प्रयोगशालाओं के साथ पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया गया। प्रयोगशालाओं में उपलब्ध उपकरणों, संसाधनों के रखरखाव और विद्यार्थियों के प्रयोगात्मक कार्यों की स्थिति देखी गई।निरीक्षण दल के संयोजक सीबी गुप्ता सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अलीगढ़ के प्रधानाचार्य योगेश कुमार रहे। दल में प्रधानाचार्य विजय प्रकाश शर्मा, दिनेश पाल सिंह, विजय अग्रवाल, अनिल त्रिपाठी, अनीता शर्मा और अवंतिका द्विवेदी शामिल रहे।विद्यालय के प्रधानाचार्य सौरभ वार्ष्णेय ने निरीक्षण दल का स्वागत किया और विद्यालय की शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों तथा विद्यार्थियों की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वार्षिक निरीक्षण से विद्यालय की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए नए सुझाव प्राप्त करने का अवसर मिलता है।निरीक्षण के दूसरे दिन 5 नवंबर को पूर्व छात्रों, अभिभावकों और संस्कार केंद्रों से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ बैठकें आयोजित की जाएंगी। इनमें विद्यालय की शैक्षिक एवं सामाजिक भूमिका को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर चर्चा होगी।विद्यालय प्रबंधन ने उम्मीद जताई कि निरीक्षण दल से प्राप्त सुझाव भविष्य में शिक्षा, अनुशासन और संस्कार आधारित गतिविधियों को और बेहतर बनाने में सहायक होंगे।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने जिला और नगर इकाई का किया विस्तार, युवाओं को सौंपी जिम्मेदारी

प्रदीप शुक्ला के नेतृत्व में हुआ संगठनात्मक गठन, नवनियुक्त पदाधिकारियों को दिलाया संगठन की मजबूती का संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा पीलीभीत की जिला एवं नगर इकाई के साथ युवा इकाई का गठन बुधवार को तहसील पूरनपुर में किया गया। जिलाध्यक्ष प्रदीप शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित बैठक एवं सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद गौ रक्षा दल के कार्यालय पर संपन्न हुआ। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और ब्राह्मण समाज की एकजुटता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।गठन के दौरान ब्रजेश शुक्ला और सर्वेश अग्निहोत्री को जिला उपाध्यक्ष, संजीव त्रिवेदी एडवोकेट को जिला महामंत्री तथा सुप्रोधी जोशी गोल्डी, डॉ. आदर्श दीक्षित और अनुराग दीक्षित को युवा जिला उपाध्यक्ष, हर्षित अग्निहोत्री को युवा तहसील अध्यक्ष, शिवा पांडे को युवा तहसील मंत्री और सुनील पांडे सोनू को तहसील उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रदीप शुक्ला ने गौ रक्षक राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला प्रमुख ठाकुर शिवम सिंह भदौरिया, अर्पित भदौरिया, रवि जायसवाल और मंगलम अवस्थी को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा राष्ट्रीय बजरंग दल के साथ मिलकर हिंदुत्व और समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रहेगी। बैठक में संगठन की एकता, ब्राह्मण समाज के सम्मान और सामाजिक हितों के कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और समाजहित के कार्यों में पूरी निष्ठा एवं समर्पण से योगदान देने का संकल्प लिया।

उधार के चार हजार रुपये को लेकर युवक के साथ मारपीट, घायल

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी



कांधला। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम निवासी एक व्यक्ति ने गांव के ही एक व्यक्ति पर उधार दिए गए रुपये के लेनदेन को लेकर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने अपना चिकित्सकीय परीक्षण कराने के बाद थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जांच में जुटी हुई है। बुधवार को थाना क्षेत्र के कस्बा एलम निवासी बिलंदर पुत्र ओंमकार ने बताया कि उसने गांव के ही एक व्यक्ति से चार हजार रुपये उधार लिए थे। आरोप है कि उधार ली गई रकम के बदले वह कई बार रुपये दे चुका है। इसके बावजूद आरोपी उससे लगातार और रुपयों की मांग कर रहा है। बुधवार को भी आरोपी ने रुपये मांगने को लेकर उसके साथ कहासुनी शुरू कर दी। आरोप है कि देखते ही देखते आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी, जिसमें वह घायल हो गया। घटना के बाद पीड़ित अपना चिकित्सकीय परीक्षण कराने के लिए अस्पताल पहुंचा। इसके बाद उसने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ तहरीर दी और पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रोमांचक मुकाबले में नेपाल ने सिंगाही को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह



वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पूरनपुर/पीलीभीत। स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट क्लब चंदिया हजारा की ओर से बुधवार को विशाल मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। टूर्नामेंट का पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला फुटबॉल क्लब सिंगाही और टीवाईसी क्लब नेपाल के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैदान पर शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कड़े संघर्ष के बावजूद निर्धारित समय में दोनों टीमें एक-दूसरे पर बढ़त बनाने में नाकाम रहीं।मुकाबले का परिणाम निकालने के लिए आयोजक कमेटी की ओर से दोनों टीमों के बीच छह-छह पेनाल्टी किक का निर्णय लिया गया। पेनाल्टी शूटआउट में टीवाईसी क्लब नेपाल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छह में से पांच गोल दागे, जबकि फुटबॉल क्लब सिंगाही की टीम छह प्रयासों में चार गोल ही कर सकी। इस तरह नेपाल की टीम ने एक गोल के अंतर से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। शानदार खेल का प्रदर्शन करने वाले नेपाल टीम के कप्तान आशीष को मैन ऑफ द मैच के खिताब से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रविन्द्रनाथ सरकार और विजय सरकार ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में परमजीत सिंह कक्कड़ (पूर्व प्रधान डाकपत्थर), परमजीत सिंह पम्मा, दिलीप सरकार, अपूर्व मंडल और बाबू काली मौजूद रहे। आयोजन समिति में प्रवीर सरकार संरक्षक, मनोज विश्वास अध्यक्ष, मिथुन मंडल संरक्षक, प्रमय मिस्त्री उपाध्यक्ष तथा विद्युत मंडल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इसके अलावा धीरेन मंडल, निरंजन मंडल, प्रधान वासुदेव कुंडू, कर्मजीत सिंह, विष्णु साना, स्नेहरंजन, भोला, शंकर वासुदेव सहित अन्य सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया।आयोजकों ने बताया कि गुरुवार, 5 नवंबर को स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट क्लब चंदिया हजारा और लिमोज स्पोर्ट क्लब सम्पूर्णानगर के बीच अगला मुकाबला खेला जाएगा। इसे लेकर क्षेत्र के खेल प्रेमियों में खासा उत्साह है।

अस्पतालों की जांच करने पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम, एक को दिया नोटिस

वेलकम इंडिया संवाददाता



कांधला। नगर में संचालित अस्पतालों के खिलाफ आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के बाद बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच अभियान चलाया। टीम ने दो अस्पतालों की शिकायतों की जांच की। इस दौरान एक अस्पताल मौके पर नहीं मिला, जबकि दूसरे अस्पताल के संचालक को रजिस्ट्रेशन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए तीन दिन का समय दिया गया।बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी दीपक चौधरी और डॉ. बिजेंद्र कुमार टीम के साथ नगर में पहुंचे। टीम ने कैराना रोड स्थित अस्पताल का निरीक्षण किया और अस्पताल संचालक से रजिस्ट्रेशन संबंधी दस्तावेज मांगे। मौके पर संचालक नहीं मिलने के कारण टीम ने तीन दिन का नोटिस जारी किया। इसके बाद टीम सहारा नर्सिंग होम के नाम से संचालित अस्पताल की जांच करने पहुंची, लेकिन मौके पर इस नाम का कोई अस्पताल नहीं मिला।नोडल अधिकारी दीपक चौधरी ने बताया कि दोनों अस्पतालों के संबंध में आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान सहारा नर्सिंग होम के नाम से कोई अस्पताल संचालित नहीं मिला, जबकि दूसरे अस्पताल को रजिस्ट्रेशन के दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए तीन दिन का समय दिया गया है। इसके बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जोगराजपुर की संकरी सड़क पर हादसों का खतरा, 50-60 की रफ्तार से दौड़ रहे वाहन

10 से 15 साल के नाबालिगों के वाहन चलाने की शिकायतें, सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर उठे सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर तहसील क्षेत्र में गढ़वा खेड़ा से नवादिया दुर्जनपुर तक करीब 12 किलोमीटर लंबे मार्ग पर सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा निर्मित इस मार्ग पर जोगराजपुर कस्बे में सड़क की चौड़ाई लगभग तीन मीटर होने के बावजूद वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। सड़क के दोनों ओर दुकानें होने से बाजार क्षेत्र में पैदल राहगीरों, दुकानदारों और वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है।स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस संकरे मार्ग पर कई वाहन चालक 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन दौड़ाते हैं। बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोगों और सड़क किनारे मौजूद दुकानदारों को हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है। बताया जाता है कि इस मार्ग पर पहले भी कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इसके बावजूद यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने की मांग उठ रही है।जोगराजपुर कस्बे में 10 से 15 वर्ष तक के बच्चों के वाहन चलाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। यदि इन शिकायतों की पुष्टि होती है तो यह यातायात नियमों के उल्लंघन के साथ ही आम लोगों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर विषय है। नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने से किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ऐसे में अभिभावकों की जिम्मेदारी के साथ यातायात पुलिस की निगरानी पर भी सवाल उठ रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि संवेदनशील जंगल मार्गों पर भी वाहनों की गति नियंत्रित रखने पर जोर दिया जाता है, लेकिन जोगराजपुर जैसे भीड़भाड़ वाले कस्बे में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आते। लोगों ने मांग की है कि संबंधित अधिकारी मौके का निरीक्षण कर सड़क की स्थिति के अनुसार गति सीमा निर्धारित करें। इसके साथ ही चेतावनी बोर्ड, गति सीमा संकेतक और जरूरत के मुताबिक स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं।स्थानीय लोगों ने पीडब्ल्यूडी, यातायात पुलिस और जिला प्रशासन से नियमित वाहन जांच अभियान चलाने, नाबालिगों के वाहन चलाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा बाजार क्षेत्र में पैदल राहगीरों की सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की है। अब सवाल यह है कि जिम्मेदार विभाग समय रहते सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करेंगे या किसी बड़े हादसे के बाद ही उनकी नींद खुलेगी।

सावितगढ़ त्रिवेणी चीनी मिल में पेराई सत्र का शुभारंभ, 1.27 करोड़ कुंतल गन्ना पेराई का रहेगा लक्ष्य



वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। पहासू क्षेत्र के साबितगढ़ स्थित त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड की शुगर यूनिट में बुधवार को नए पेराई सत्र का शुभारंभ किया गया। भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री एवं शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र से संभावित प्रत्याशी डॉ. चंद्रमोहन तथा मिल के मुख्य महाप्रबंधक प्रदीप खंडेलवाल ने चेन कैरियर का बटन दबाकर पेराई सत्र की शुरूआत की। इस अवसर पर यूनिट हेड एवं मिल अधिकारियों और कर्मचारियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर चीनी मिल के सुचारू एवं निर्बाध संचालन की कामना की। मिल प्रबंधन ने इस पेराई सत्र में 1.27 करोड़ कुंतल गन्ने की पेराई का लक्ष्य निर्धारित किया है। किसानों की सुविधा के लिए मिल की ओर से विभिन्न स्थानों पर गन्ना क्रय केंद्र भी खोले गए हैं। मिल प्रबंधन ने किसानों से अपील की कि वे चीनी मिल को साफ-सुथरा एवं ताजा गन्ना ही आपूर्ति करें, जिससे पेराई कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके। इस मौके पर सोमेश देव, मुकेश गिरी, नवीन अग्रवाल, जेपी श्रीवास्तव, अनुज सिन्हा, भोला चौधरी, विजय प्रधान, अमर सिंह बघेल, विनीश सेठ सहित मिल के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

केजीएमयू में धर्मांतरण एवं लव जिहाद के दोषियों को मिले मृत्यु दंड: गोपाल राय

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) से जुड़े कथित धर्मांतरण नेटवर्क और युवतियों को प्रेम संबंधों की आड़ में धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करने के आरोपों को लेकर विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने कड़ी नाराजगी जताई है। संगठन ने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कराने के साथ ही आरोपों में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की मांग की है। संगठन की ओर से दोषियों को मृत्युदंड दिए जाने की मांग भी उठाई गई। इस संबंध में विश्व हिंदू रक्षा परिषद की वाराणसी इकाई ने अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनीष राय के नेतृत्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन के पदाधिकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि केजीएमयू जैसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान से जुड़े कथित धर्मांतरण नेटवर्क और व्हाट्सऐप समूहों के माध्यम से युवतियों से संपर्क स्थापित करने के आरोप बेहद गंभीर हैं। यदि जांच में ऐसे आरोप प्रमाणित होते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। ज्ञापन में संगठन ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों द्वारा प्रेम, विवाह, नौकरी, आर्थिक सहायता अथवा अन्य प्रलोभनों के माध्यम से युवतियों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। संगठन ने इसे महिलाओं की स्वतंत्रता, सम्मान और धार्मिक आस्था से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को छल, दबाव या प्रलोभन के माध्यम से किसी का धर्म परिवर्तन कराने का अधिकार नहीं है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने मांग की कि सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप के माध्यम से युवतियों से संपर्क स्थापित करने तथा कथित धर्मांतरण गतिविधियों में शामिल लोगों की भूमिका की गहराई से जांच की जाए। संगठन ने यह भी कहा कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि चिकित्सा संस्थान लोगों के उपचार, सेवा और विश्वास से जुड़े होते हैं। ऐसे संस्थानों में किसी भी प्रकार की अवैध या आपराधिक गतिविधि के आरोप सामने आना गंभीर चिंता का विषय है। केजीएमयू जैसे बड़े संस्थान में सामने आए आरोपों की जांच निष्पक्ष तरीके से होनी चाहिए। किसी भी व्यक्ति को उसके पद, पेशे या प्रभाव के आधार पर संरक्षण नहीं मिलना चाहिए।

दो पक्षों मेंजमकर चले लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर

मारपीट और पथराव से मची अफरा-तफरी; रास्ता भी हुआ अवरुद्ध

वेलकम इंडिया संवाददाता



मेरठ। थाना जानी क्षेत्र के ग्राम पांचली खुर्द में पुरानी मुकदमेबाजी और पैसों के लेन-देन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शिव मंदिर के पास शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट और पथराव में बदल गई। दोनों पक्षों की ओर से जमकर लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले, जिससे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। संघर्ष के दौरान रास्ता भी अवरुद्ध हो गया और आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना जानी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, यह घटना 3 नवंबर 2026 की है। मामले में थाना जानी पर मुकदमा अपराध संख्या 518/2026 दर्ज किया गया है। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2), 191(3), 190, 125, 115(2), 352, 351(3), 109(1) तथा सात सीएलए एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक, प्रथम पक्ष की ओर से रामवीर पुत्र इन्द्रजीत, विरेश्वर पुत्र इन्द्रजीत, अंकित चपराना पुत्र विरेश्वर और हरेन्द्र पुत्र ओमप्रकाश को गिरफ्तार किया गया है। वहीं दूसरे पक्ष से मनोज पुत्र सोहनपाल, कुलदीप पुत्र संजय और हैप्पी पुत्र सोहनवीर को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपी ग्राम पांचली खुर्द क्षेत्र से संबंधित हैं। पुलिस के अनुसार, हरेन्द्र मूल रूप से जनपद बागपत का निवासी है और वर्तमान में पांचली खुर्द में रह रहा है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैप्पी, मनोज और कुलदीप के विरुद्ध थाना जानी में पहले से भी मुकदमा अपराध संख्या 482/2026 दर्ज है। यह मुकदमा भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत दर्ज किया गया था। पुलिस दोनों पक्षों के बीच पुराने विवाद और पैसों के लेन-देन को लेकर हुए संघर्ष के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में बुलंदशहर पुलिस मेरठ जोन में अव्वल, प्रदेश में तीसरे स्थान पर

वेलकम इंडिया संवाददाता



बुलंदशहर। जनपद बुलंदशहर पुलिस ने प्रभावी मॉनीटरिंग और उत्कृष्ट कार्यप्रणाली के दम पर सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में शानदार प्रदर्शन किया है। माह सितंबर की रैंकिंग में बुलंदशहर पुलिस ने मेरठ जोन में प्रथम और उत्तर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने प्रभारी सीएम डैशबोर्ड उपनिरीक्षक दीपक कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों और विभिन्न विभागों के प्रदर्शन की रीयल-टाइम मॉनीटरिंग की जाती है। इसके जरिए फील्ड स्तर पर अधिकारियों के कार्यों का भी मूल्यांकन किया जाता है। सीएम डैशबोर्ड पर 53 विभागों के 588 से अधिक प्रोजेक्ट और योजनाओं की निगरानी की जाती है। जनपदीय पुलिस द्वारा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित मॉनीटरिंग और समयबद्ध कार्रवाई के चलते सितंबर माह की रैंकिंग में यह उपलब्धि हासिल हुई। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने उपनिरीक्षक दीपक कुमार के कार्यों की सराहना करते हुए उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और कार्यकुशलता की प्रशंसा की। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता





स्याना(बुलंदशहर)। खानपुर क्षेत्र के दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों एवं असहाय जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कृष्णा फाउंडेशन एवं पद्मविभूषण राष्ट्र गौरव श्रद्धेय बाबूजी कल्याण सिंह कॉलेज ऑफ लॉ नगला आलमपुर के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के करीब 200 दिव्यांगजनों एवं 60 वर्ष से अधिक आयु के जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार व्हीलचेयर, छड़ी, सर्वाइकल बेल्ट, घुटनों की बेल्ट, कमर की बेल्ट सहित अन्य उपयोगी सहायक उपकरण प्रदान किए गए। निःशुल्क उपकरण पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। आयोजकों की इस पहल से दिव्यांगजनों एवं बुजुर्गों को दैनिक जीवन में आने वाली परेशानियों को कम करने और उन्हें अधिक आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग मिला। इस वितरण कार्यक्रम में नगला लडाना, चांदपुर, माजरा, खानपुर, अमरगढ़, रोसड़ा, परवाना, हाजीपुर, स्याना, बुगरासी सहित आसपास के अनेक गांवों से बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोग पहुंचे। आयोजकों की ओर से सभी पात्र लाभार्थियों को उनकी जरूरत के अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर, असहाय एवं जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाना और उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

इस अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन विनोद राजपूत ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना ही संस्था का मुख्य संकल्प है। कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति आवश्यक सुविधाओं से वंचित न रहे, इसके लिए कृष्णा फाउंडेशन एवं कॉलेज परिवार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने की दिशा में भी संस्था अपनी भूमिका निभाने का प्रयास कर रही है। भाजपा के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय सिद्धांत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को भी विकास और सुविधाओं का लाभ मिलना चाहिए। इसी विचारधारा के साथ संस्था आगे भी जनसेवा के कार्य जारी रखेगी। चेयरमैन विनोद राजपूत ने आगे कहा कि कृष्णा फाउंडेशन और कॉलेज परिवार का प्रयास रहेगा कि भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा एवं सहायता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहें, ताकि दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को जरूरत के समय सहयोग मिल सके। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चला। इस दौरान कृष्णा फाउंडेशन की ओर से पुष्पेन्द्र नागर अमित चौहान चंद्रभान लोधी पुष्पेन्द्र शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति समाजसेवी एवं क्षेत्र के अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से आयोजकों ने समाज में सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदना का संदेश दिया। करीब 200 जरूरतमंद लोगों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराना क्षेत्र में जनकल्याण की दिशा में एक सराहनीय पहल रही।

कछवांरोड से प्रयागराज के लिए रवाना हुआ भगवा कार्यकर्ताओं का विशाल काफिला, राम शकल पटेल के नेतृत्व में जुटे करीब एक हजार कार्यकर्ता

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी (मिजार्मुराद)। प्रयागराज में आयोजित होने वाली पदयात्रा में शामिल होने के लिए बुधवार को वाराणसी से भाजपा कार्यकर्ताओं का विशाल काफिला रवाना हुआ। सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के कछवांरोड ओवरब्रिज के पास भाजपा कार्यकर्ताओं का भारी जमावड़ा देखने को मिला। पार्टी के झंडों, भगवा गमछों और टोपियों से सजे करीब 200 चार पहिया वाहनों के काफिले के साथ लगभग एक हजार कार्यकर्ता प्रयागराज के लिए रवाना हुए। इस दौरान 'भारत माता की जय', 'जय श्रीराम' और 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' जैसे नारों से पूरा कछवांरोड बाजार गूंज उठा। कार्यकर्ताओं में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। सुबह से ही अलग-अलग क्षेत्रों से भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता कछवांरोड पहुंचने लगे थे। देखते ही देखते वाहनों का लंबा काफिला तैयार हो गया। भगवा गमछे और हाथों में पार्टी का झंडा लिए कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ प्रयागराज कूच करने को तैयार दिखे। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे भाजपा वाराणसी जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने भगवा गमछा लहराकर काफिले को रवाना किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने कहा कि यह केवल एक पदयात्रा में शामिल होने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि लोकतंत्र और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की रक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का अभियान है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दल झूठ और अफवाहों के माध्यम से प्रदेश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाराणसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कर्मभूमि है और यहां का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रयागराज की धरती से अपनी आवाज बुलंद करेगा। उन्होंने बताया कि प्रयागराज के सिविल लाइंस में आयोजित होने वाली विशाल पदयात्रा में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करेंगे। कछवांरोड से प्रयागराज के लिए रवाना हुए काफिले में भाजपा कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। वाहनों पर पार्टी के झंडे लगाए गए थे और कार्यकर्ता नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। आयोजन के दौरान कार्यकर्ताओं ने अनुशासन बनाए रखते हुए प्रयागराज की ओर प्रस्थान किया। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न संगठनात्मक पदाधिकारियों और मोर्चों के प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री संजीव सिंह गौतम, किसान मोर्चा अध्यक्ष कृष्ण कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष जगदीश जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष अश्वनी पांडेय, संदीप सिंह, अमित पटेल, जिला मीडिया प्रभारी अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', महिला मोर्चा अध्यक्ष किरण मिश्रा, पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष गोविंद दास गुप्ता, अनुसूचित मोर्चा अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप, जिला मंत्री खुशबू सिंह, बृजेश भारद्वाज, उमाशंकर पटेल, महामंत्री सीमा ओझा, उपाध्यक्ष सविता सिंह, मंत्री ममता सिंह, अनिता तिवारी, प्रताप सोनकर, अमित सिंह 'पीयूष', अजय पटेल, किशन सिंह, शिवशंकर राय, श्रीराम गुप्ता, चंद्रप्रकाश पटेल, ओमप्रकाश पटेल, लक्की पटेल, धीरज सिंह, अवगत उपाध्याय, अभिषेक पाण्डेय, अनुपम सिंह और निहाल सेठ सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान से पांच परिवारों में लौटी खुशियां, आपसी सहमति से साथ रहने को राजी हुए दंपति

वेलकम इंडिया संवाददाता

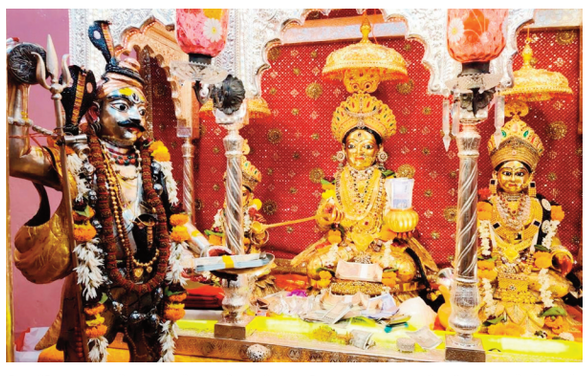


बुलंदशहर। मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत बुलंदशहर पुलिस की पहल से पांच दंपतियों के वैवाहिक विवादों का आपसी सहमति से समाधान कराया गया। काउंसलिंग के बाद सभी पांच दंपति एक बार फिर साथ रहने और नए सिरे से वैवाहिक जीवन शुरू करने के लिए राजी हो गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर के निर्देशन में महिला सैल, परिवार परामर्श केंद्र और मिशन शक्ति टीम द्वारा वैवाहिक विवादों के त्वरित निस्तारण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को थाना शिकारपुर, औरंगाबाद, बीबीनगर और पहासू की मिशन शक्ति टीमों के समक्ष पति-पत्नी के पारिवारिक विवाद से जुड़े पांच प्रार्थना पत्रों में दोनों पक्ष उपस्थित हुए। टीम के सदस्यों ने पति-पत्नी की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आपसी बातचीत एवं काउंसलिंग के माध्यम से उनके बीच चल रहे मतभेद दूर कराने का प्रयास किया। इसके परिणामस्वरूप पांचों मामलों में दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से सुलह-समझौता कर लिया। इस दौरान दंपतियों ने एक-दूसरे को विश्वास दिलाया कि वे पुरानी बातों को भुलाकर नवजीवन की नई शुरूआत करेंगे और हंसी-खुशी एक साथ रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे। प्रभारी महिला सैल एवं काउंसलरों ने सभी दंपतियों को नए जीवन की शुरूआत के लिए शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम, विश्वास और समझदारी के साथ रहने की सलाह दी।

धनतेरस पर खुलेगा मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी विग्रह का कपाट, पांच दिनों तक होंगे दुर्लभ दर्शन; भक्तों को मिलेगा खजाना

छह नवंबर को सुबह पांच बजे आम श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा मंदिर का पट, भोर में तीन बजे से पौने पांच बजे तक होगा विशेष पूजन

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह





वाराणसी। धर्म और आध्यात्म की नगरी काशी में धनतेरस के पावन अवसर पर मां अन्नपूर्णा के भक्तों को उनके स्वर्णमयी विग्रह के दर्शन का दुर्लभ अवसर प्राप्त होगा। बाबा विश्वनाथ को अन्न-धन की भिक्षा देने वाली मां अन्नपूर्णा धनतेरस से लगातार पांच दिनों तक अपने भक्तों पर कृपा बरसाएंगी। इस दौरान श्रद्धालु मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी विग्रह के साथ भूमि देवी, मां लक्ष्मी और रजत महादेव के दर्शन कर सकेंगे। परंपरा के अनुसार भक्तों को खजाने के रूप में सिक्कों का वितरण भी किया जाएगा। छह नवंबर को धनतेरस के दिन मंदिर के कपाट निर्धारित समय से एक घंटे पहले सुबह पांच बजे आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इस संबंध में चार नवंबर, बुधवार को बांसफाटक स्थित काशी अन्नपूर्णा क्षेत्र के सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में महंत शंकर पुरी ने दर्शन और पूजन की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धनतेरस के अवसर पर इस वर्ष विशेष शुभ योग बन रहा है। माता के स्वर्णमयी विग्रह का दर्शन वर्ष में केवल पांच दिनों के लिए होता है, इसलिए देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के काशी पहुंचने की संभावना है। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित दर्शन कराने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। महंत शंकर पुरी ने बताया कि धनतेरस के दिन सुबह तीन बजे से पौने पांच बजे तक मंगल बेला में मां अन्नपूर्णा का विधि-विधान से विशेष पूजन और आरती की जाएगी। इसके बाद खजाने और 21 किलोग्राम रजत खजाने का पूजन होगा। पूजन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सुबह पांच बजे मंदिर का कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा। इस बार भक्तों को निर्धारित समय से एक घंटे पहले दर्शन का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी विग्रह के दर्शन के साथ भक्तों को खजाने के रूप में सिक्के वितरित किए जाएंगे। छह नवंबर को सुबह पांच बजे से रात 11:30 बजे तक दर्शन और खजाना वितरण की व्यवस्था रहेगी। मंदिर बंद होने तक श्रद्धालु माता का दर्शन कर खजाना प्राप्त कर सकेंगे। महंत ने कहा कि मां अन्नपूर्णा की कृपा से देश में सुख-समृद्धि बनी रहे और सभी के भंडार भरे रहें, यही कामना है।

मंदिर में पांच दिवसीय दर्शन कार्यक्रम के दौरान विशेष धार्मिक आयोजन भी होंगे। सात नवंबर से दस नवंबर तक श्रद्धालु प्रतिदिन सुबह चार बजे से रात 11:15 बजे तक मां अन्नपूर्णा के दर्शन कर सकेंगे। दस नवंबर को अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर मंदिर में लड्डुओं की भव्य झांकी सजाई जाएगी। इस विशेष आयोजन को लेकर भी मंदिर परिसर में तैयारियां की जा रही हैं। अन्नकूट महोत्सव के दिन रात्रि 11:30 बजे मां अन्नपूर्णा की महाआरती होगी। इसके बाद स्वर्णमयी अन्नपूर्णा का कपाट एक वर्ष के लिए बंद कर दिया जाएगा। इस प्रकार पांच दिनों तक चलने वाले दर्शन पर्व का समापन विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती के साथ होगा। मंदिर प्रशासन के अनुसार, यह अवसर श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक आस्था और भक्ति का पर्व है।

श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने दर्शन के लिए विशेष मार्ग निर्धारित किया है। भक्त बांसफाटक से होते हुए गेट नंबर एक ढुंढिराज के रास्ते मंदिर पहुंचेंगे। वहां बनाई गई अस्थायी सीढ़ियों से होते हुए स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा के दर्शन कर सकेंगे। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को कालिका गली की ओर से बाहर निकाला जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य मंदिर परिसर में भीड़ का दबाव कम करना और दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है। मंदिर के प्रबंधक काशी मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई गई है। पूरे परिसर और आसपास के क्षेत्रों पर नियंत्रण कक्ष के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। श्रद्धालुओं की सहायता के लिए जगह-जगह सेवादार तैनात रहेंगे। इसके अलावा मंदिर परिसर में मेडिकल टीम भी मौजूद रहेगी, ताकि किसी श्रद्धालु की तबीयत खराब होने या आपात स्थिति में तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि मंदिर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुगम और सुरक्षित दर्शन कराना प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा निगरानी और चिकित्सा सहायता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी विग्रह के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहता है। वर्ष में केवल पांच दिनों के लिए खुलने वाले इस कपाट के दर्शन को भक्त अत्यंत सौभाग्यशाली अवसर मानते हैं। धनतेरस पर खजाना प्राप्त करने की परंपरा भी इस आयोजन को विशेष बनाती है। इसी को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने दर्शन के समय और श्रद्धालुओं के आवागमन की व्यवस्था पहले से निर्धारित कर दी है। पत्रकार वार्ता में नीलकंठ से आए शिवानंद गिरि, प्रदीप श्रीवास्तव, राकेश तोमर सहित मंदिर परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्ग और व्यवस्थाओं का पालन करने तथा सेवादारों और सुरक्षा कर्मियों का सहयोग करने की अपील की है।

पूर्वांचल भवन का शुभारंभ, छठ महापर्व की तैयारियों को मिली नई रफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता







गाजियाबाद। पूर्वांचल समाज की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को एक साझा मंच देने की दिशा में गाजियाबाद नगर निगम ने महत्वपूर्ण पहल की है। नगर निगम के पूर्वांचल भवन का शुभारंभ किया गया। भवन के शुभारंभ के साथ ही पहली बैठक महापर्व छठ की तैयारियों और शहर के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर आयोजित हुई। बैठक में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारियों और पूर्वांचल समाज के 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस दौरान नगर आयुक्त ने छठ घाटों की संख्या 73 से बढ़ाकर 79 करने और सभी घाटों पर व्यवस्थाओं को महाअभियान के रूप में पूरा करने के निर्देश दिए। इस घोषणा पर पूर्वांचल समाज के लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए निगम अधिकारियों का स्वागत और आभार व्यक्त किया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि महापौर सुनीता दयाल के नेतृत्व में नगर निगम त्योहारों को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। छठ महापर्व पूर्वांचल समाज की आस्था और संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे में श्रद्धालुओं को घाटों पर बेहतर सफाई, प्रकाश, स्वच्छ जल और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने पूर्वांचल समाज के लोगों से पूर्वांचल भवन के सफल संचालन के लिए अधिक से अधिक सदस्य बनने की अपील भी की। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज कुमार सिंह, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अनिरुद्ध सिंह सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। पूर्वांचल समाज की ओर से रीता सिंह, जय दीक्षित, एसपी सिंह, अर्चना सिंह, मनोज सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त ने सभी को पूर्वांचल भवन के शुभारंभ की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर निगम और पूर्वांचल समाज के आपसी सहयोग से भवन का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही छठ महापर्व की तैयारियों को भी जनसहभागिता के साथ सफल बनाया जाएगा। बैठक में छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में छठ घाटों की संख्या 73 से बढ़ाकर 79 की जाए, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के लिए सुविधाजनक स्थान मिल सके। घाटों पर सफाई, प्रकाश व्यवस्था, जलकल, निर्माण और अन्य आवश्यक सुविधाओं को समय से पूरा करने के निर्देश दिए गए। नगर निगम की ओर से हर वर्ष की तरह इस बार भी मुख्य हिंडन छठ घाट पर भव्य तैयारियां की जा रही हैं। इसके अलावा शहर के अन्य घाटों पर भी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है।

बैठक में पूर्वांचल समाज के प्रतिनिधियों ने घाटों की संख्या बढ़ाने के निर्णय का स्वागत किया और निगम अधिकारियों को धन्यवाद दिया। समाज के लोगों ने कहा कि छठ पर्व पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त घाटों की व्यवस्था बेहद उपयोगी साबित होगी। नगर आयुक्त ने कहा कि पूर्वांचल भवन केवल एक भवन नहीं, बल्कि समाज के लोगों को आपस में जोडे और उनकी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का साझा मंच बनेगा। इसके सफल संचालन के लिए समाज के अधिक से अधिक लोगों को सदस्यता लेनी चाहिए। अब तक 60 से अधिक लोग भवन के सदस्य बन चुके हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से सदस्यता अभियान को आगे बढ़ाने और भवन की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित लोगों की सहमति के बाद पूर्वांचल भवन में सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए बुकिंग प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए गए। इससे समाज के लोगों को विभिन्न आयोजनों, बैठकों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक व्यवस्थित स्थान उपलब्ध हो सकेगा। भवन के शुभारंभ पर पूर्वांचल समाज के लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। लोगों ने नगर निगम की इस पहल को समाज को एकजुट करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया।

कवि ब्रजकण की ब्रज भाषा कृति ब्रजकण पदावली का विमोचन सम्पन्न



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ब्रज कला केन्द्र मथुरा एवं ब्रज कला केन्द्र- हाथरस के बैनर तले मसानी तिराहा वृन्दावन रोड, मथुरा के सभागार में ब्रज भाषा कवि सम्मेलन एवं दो पुस्तकों का विमोचन तथा ब्रजकन पदावली का लोकार्पण अध्यक्ष डॉ. राधाकृष्ण अग्रवाल कुलपति ब्रज संगीत विद्यापीठ द्वारा किया गया। कवि सम्मेलन कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रज तथा देश के प्रतिष्ठित कवि श्री राधा गोविंद पाठक ने की।

इस कार्यक्रम में 41 कवियों ने काव्य पाठ किया। सभी कवि कवयित्रियों को सम्मानित किया गया। हाथरस के हास्य एवं आशु कवि अनिल बोहरै जी को जन्म दिन की बधाई के साथ संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। मोदीनगर के ब्रजभाषा एवं हिंदी के कवि दरयाब सिंह राजपूत ष्ब्रजकण को संस्था के वरिष्ठ अधिकारी एवं डॉ. राधाकृष्ण अग्रवाल एवं अध्यक्ष श्री राधा गोविंद पाठक द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का काव्यमय सरस संचालन कवि अनिल बोहरे ने किया। सभी कवि एवं कवयित्रियों की आवभगत तथा सम्मान में देश के चर्चित कवि गाफिल स्वामी ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी, सभी के दौड़ दौड़कर टीका लगाया, जल और फल की दिल खोलकर सेवा की, सभी के खूब फोटो खींचे। कार्यक्रम में मंच पर सभी के सम्मान में पूरा सहयोग किया तथा पुस्तकें तथा हास्य सम्राट काका हाथरसी जी का कलैंडर भी वितरित किया।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की नवगठित जिला टीम का परिचय बैठक का आयोजन



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला गाजियाबाद की नवगठित जिला टीम का परिचय बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष अमित तिसावड़ द्वारा जगन्नाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग मोदीनगर में किया गया। मुख्य अतिथि संजीव गोयल सिक्का भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के महामंत्री एवं गाजियाबाद जिला प्रभारी रहे। जिला प्रभारी एवं जिला अध्यक्ष द्वारा नवगठित टीम को माला और फटका पहनाकर सम्मानित किया गया तथा आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में फिर से प्रचंड बहुमत से विधानसभा जिताने और उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार बनाने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर जिला महामंत्री चंद्रपाल प्रधान, लाल बहादुर, जिला उपाध्यक्ष अरुण वाल्मीकि, सोनवीर कर्दम,सुमित जाटव, सनित तितौरियां, जगदीश कुमार ,विजय सिंह, दिनेश जाटव,हिमांशु लोहारा जिला मंत्री बृजेश देवी, विपिन कोरी ,अजय कोरी, सुबोध भारती, नानक चंद जाटव, श्यामवीर जाटव नवधीर चंदेल, मंडल अध्यक्ष जोगेश्वर जाटव ,जितेंद्र खटीक, विजेंद्र प्रधान, संजू प्रधान, तेजवीर जाटव रणवीर सेठ, लविश धीर ,शिवम महेश वैद्य, सुनील प्रधान,शिवम धानुक ,नितिन जाटव , लक्की प्रसाद, शेर सिंह, नरेश सिंह, श्रीमति किरन रानी, वीरेंद्र जाटव, सुनील कुमार, रिंकू कुमार, ब्रह्म प्रकाश, अभिषेक कुमार, श्रीमति पायल देवी, चमन लाल, सोविंदर कुमार, अभिषेक खटीक, निशांत खटीक, भारत सिलेलान, आकाश कुमार, लक्की प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

नारंगपुर में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का रणवीर दहिया ने किया शुभारंभ



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सिवाल खास विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नारंगपुर में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता का मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश महासचिव श्री रणवीर दहिया ने फीता काटकर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों को संबोधित किया। प्रतियोगिता के दौरान भूड़बराल टीम एवं हरियाणा टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर खेल प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर रवि भारत चिकारा, विपिन कुमार एवं सोनू त्यागी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, एकता, आत्मविश्वास और खेल भावना का विकास करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित ऐसी प्रतियोगिताएँ युवाओं की प्रतिभा को आगे लाने का महत्वपूर्ण मंच हैं।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू ने तहसील पर प्रदर्शन कर दिया धरना

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी के नेतृत्व में तहसील पर प्रदर्शन कर एक दिवसीय धरना दिया गया। सत्येंद्र त्यागी ने बताया कि किसानों की मुख्य मांग ग्राम सोंदा में सरकारी चकरोड पर दबंगों द्वारा अवरोध उत्पन्न करने, नगर पंचायत निवाड़ी मे अघैडा रोड व गुन रोड निवाड़ी में बारिश के कारण करीब 50 बिगे धान की फसल बर्बाद होने से किसान भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है।

खेतों में पानी की निकासी न होने के कारण हर वर्ष उनकी बरसात के कारण फसल डूब जाती है। इसका सर्वे कराकर जल्द से जल्द उनको मुआवजा दिलाने की मांग की गई। इसके अलावा मोदीनगर सारा रोड पर अतिक्रमण होने से किसानों को अपने गन्ने की बुग्गी व ट्रैक्टर ट्रॉली शुगर मिल पर डालने पर काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है । यही हाल मोदीनगर सोंदा रोड पर अतिक्रमण होने से आने जाने वालों को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

नगला मूसा गांव में कुछ गरीब मजदूरों से अवैध उगाही करके पैसा वसूल लिया गया कि आपका शौचालय बनवाएंगे मगर गरीब मजदूरों का आज तक भी शौचालय नहीं बनाया गया आदि किसानों मजदूरों की समस्याओं को लेकर तहसील मोदीनगर पर धरना प्रदर्शन किया गया।

तहसीलदार रजत सिंह को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में एक हफ्ते का टाइम दिया गया है। अगर एक हफ्ते में इन समस्याओं का कोई हल न निकाला गया तो तहसील मोदीनगर में अनिश्चितकालीन धरना दिया जाए। धरने पर भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी, जिला अध्यक्ष पुष्कर त्यागी, रोहित त्यागी, आकाश त्यागी, अनु प्रधान,सुशील कुमार, प्रदीप शर्मा, सागर त्यागी,इरफान खान, आबजद खान, कुलदीप त्यागी, सुबोध त्यागी, सुनील त्यागी, मदनलाल फौजी, मयंक नागर आदि किसान उपस्थित रहे।

दीपावली के रंग में रंगा आईटीएस कॉलेज, फैकल्टी और स्टाफ ने मिलकर मनाया खुशियों का पर्व



वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादनगर। दीपावली के पावन पर्व पर आईटीएस कॉलेज, मुरादनगर में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। संस्थान की ओर से बुधवार को फैकल्टी एवं स्टाफ सदस्यों के लिए भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए खुशियों के इस पर्व को आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मनाया। कार्यक्रम का आयोजन आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा की प्रेरणा और मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने सभी फैकल्टी एवं स्टाफ सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्योहार आपसी प्रेम, सद्भाव और खुशियां बांटने का अवसर होते हैं। उन्होंने सभी से अपने परिवारजनों के साथ हर्षोल्लास से दीपावली मनाने का आह्वान किया। समारोह का उद्देश्य संस्थान के सदस्यों के बीच आपसी सहयोग, समर्पण और एकजुटता की भावना को और मजबूत करना रहा। कार्यक्रम के दौरान सभी फैकल्टी एवं स्टाफ सदस्यों को दीपावली के उपहार और मिठाइयां वितरित की गईं।

साढ़े तीन घंटे तक आग से जूझीं छह दमकल गाडिं, वैशाली, साहिबाबाद और खेकड़ा से भी बुलाई गईं गाडिं

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। ट्रॉनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार तड़के गत्ते और कार परफ्यूम बनाने वाली फैक्टरी में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग फैक्टरी के साढ़े तीन मंजिला भवन के प्रथम तल के पूरे हिस्से में फैल चुकी थी। सूचना मिलते ही लोनी फायर स्टेशन की तीन दमकल गाडिं मौके पर पहुंचीं। आग की भयावहता को देखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी सौरभ कुमार सिंह ने तत्काल वैशाली, साहिबाबाद और बागपत के खेकड़ा फायर स्टेशन से भी एक-एक दमकल गाड़ी रवाना कराई। छह दमकल गाडिं और अग्निशमन कर्मियों की लगातार साढ़े तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह 7:30 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। टीम की तत्परता और सूझबूझ से आग को भवन के अन्य तलों तक फैलने से रोक लिया गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी सौरभ कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह 4:24 बजे लोनी फायर स्टेशन को ट्रॉनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर बी-3 स्थित प्लॉट नंबर डी-4 पर संचालित कुमार पैकर्स फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली थी। फैक्टरी के स्वामी मनोज कुमार हैं। सूचना मिलते ही लोनी से तीन दमकल गाडिं घटनास्थल के लिए रवाना की गईं। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि आग प्रथम तल के पूरे हिस्से में फैल चुकी थी। फैक्टरी के कुछ कर्मचारी वहां स्थापित अग्निशमन उपकरणों की मदद से आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे। सीएफओ सौरभ कुमार सिंह के निर्देशन में दमकलकर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए आग बुझाने की रणनीति बनाई। जीने के रास्ते से एक पानी की लाइन बिछाई गई, जबकि दूसरी लाइन बगल की फैक्टरी की छत से होते हुए घटनास्थल तक पहुंचाई गई। इसके बाद दोनों तरफ से पानी की तेज बौछार कर आग बुझाने का काम शुरू किया गया। साथ ही विशेष सतर्कता बरती गई कि आग इमारत की दूसरी मंजिलों तक न पहुंचे। आग की गंभीरता को देखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने अतिरिक्त संसाधन लगाने के निर्देश दिए। इसके बाद वैशाली, साहिबाबाद और खेकड़ा फायर स्टेशन से एक-एक दमकल गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। कुल छह दमकल गाडिं की मदद से अग्निशमन कर्मियों ने लगातार आग पर पानी डालते हुए उसे नियंत्रित किया। सुबह करीब 7:30 बजे आग पूरी तरह बुझा दी गई। सीएफओ ने बताया कि आग बुझने के बाद भी टीम ने लापरवाही नहीं बरती। फैक्टरी में रखे सामान को हटाकर उसकी उलट-पलट कर जांच की गई, ताकि उसके नीचे सुलग रही आग और धुएं को पूरी तरह शांत किया जा सके। इस तरह दोबारा आग भड़कने की आशंका को भी खत्म करने का प्रयास किया गया।

बेटों ने ठुकराया तो बेघर बुजुर्ग को नहीं मिला अंतिम सहारा, मौत के बाद शव लेने भी नहीं पहुंचे परिजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिस पिता ने कभी अपने बच्चों को पाल-पोसकर बड़ा किया होगा, उसी के अंतिम समय में बेटे और रिश्तेदारों ने मुंह मोड़ लिया। बेघर बुजुर्ग ऑटो चालक विजय गुप्ता की मौत के बाद भी कोई परिजन उनका शव लेने नहीं पहुंचा। पुलिस की सूचना के बावजूद परिवार के लोगों ने शव की पहचान करने और उसे लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद बुधवार को बुजुर्ग के शव का अज्ञात में पोस्टमार्टम कराया गया। बुजुर्ग की दो नवंबर को एमएमजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। उन्हें रेबीज के लक्षण थे। ईस्ट दिल्ली की झिलमिल कॉलोनी निवासी विजय गुप्ता साहिबाबाद क्षेत्र में ऑटो चलाकर अपना जीवन यापन करते थे। उनके परिचित मुकेश के मुताबिक करीब एक महीने पहले उनके बेटों ने उन्हें घर से निकाल दिया था। इसके बाद वह शहीद नगर मेट्रो स्टेशन के पास एक तख्त पर रहने लगे थे। उम्र के इस पड़ाव पर परिवार का साथ छूटने के बाद वह सड़क किनारे ही दिन गुजारने को मजबूर थे। करीब 15 दिन पहले एक कुत्ते ने विजय गुप्ता के पैर में काट लिया था। उन्होंने शुरूआत में इसे गंभीरता से नहीं लिया। धीरे-धीरे घाव बढे लगा और उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई। 30 अक्टूबर को शहीद नगर मेट्रो स्टेशन के पास उनकी हालत खराब होने पर 108 एंबुलेंस की मदद से उन्हें एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां दो नवंबर की सुबह करीब नौ बजे उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। एमएमजी अस्पताल के सीएमएस डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि बुजुर्ग में हाइड्रोफोबिया यानी पानी से डरने जैसे लक्षण दिखाई दिए थे। वहीं, पोस्टमार्टम हाउस के फार्मासिस्ट जगदीश यादव के मुताबिक पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देकर मोर्चरी पहुंचकर शव की पहचान करने के लिए कहा था। लेकिन परिजनों ने शव लेने से साफ इनकार कर दिया।

छह नवंबर से खुलेगा मुफ्त राशन का रास्ता, गड़बड़ी करने वाले कोटेदारों पर कसेगा शिकंजा

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। जनपद में राशन वितरण व्यवस्था को लेकर जिला पूर्ति विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। नवंबर माह के खाद्यान्न का वितरण छह नवंबर से 30 नवंबर तक किया जाएगा। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशनकार्डधारकों को गेहूं और चावल का निशुल्क वितरण कराया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने स्पष्ट किया है कि वितरण में किसी भी तरह की लापरवाही, घटतौली या कार्डधारकों को अनावश्यक परेशान करने की शिकायत मिलने पर संबंधित उचित दर विक्रेता के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सभी राशन दुकानों पर वितरण की सूचना पहले से चस्पा करना अनिवार्य होगा, ताकि लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने बताया कि नवंबर माह के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का अग्रिम वितरण छह नवंबर से शुरू होकर 30 नवंबर तक चलेगा। अंत्योदय राशनकार्डधारकों को प्रति कार्ड 14 किलोग्राम गेहूं और 21 किलोग्राम चावल दिया जाएगा। वहीं पात्र गृहस्थी राशनकार्डधारकों को प्रति यूनिट दो किलोग्राम गेहूं और तीन किलोग्राम चावल निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने सभी कार्डधारकों से निर्धारित समय पर अपनी उचित दर दुकान पर पहुंचकर राशन प्राप्त करने की अपील की है। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि राशन दुकानों पर भीड़ और अव्यवस्था से बचने के लिए उचित दर विक्रेताओं को प्रतिदिन एक निश्चित संख्या में कार्डधारकों को टोकन वितरित करने के निर्देश दिए गए हैं। ई-पॉस मशीनों से वितरण की क्षमता और समय की उपलब्धता के अनुसार टोकन संख्या में आवश्यक बदलाव किया जा सकेगा। पूरा वितरण नोडल अधिकारियों की मौजूदगी में पारदर्शी तरीके से कराया जाएगा। वितरण का समय सुबह आठ बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर दो बजे से शाम छह बजे तक निर्धारित किया गया है। मोबाइल ओटीपी के माध्यम से राशन प्राप्त करने की अंतिम तिथि भी 30 नवंबर निर्धारित है। पोर्टेबिलिटी के तहत दूसरे उचित दर विक्रेता से राशन लेने की सुविधा संबंधित दुकान पर उपलब्ध खाद्यान्न के स्टॉक की सीमा तक ही मिलेगी। अमित तिवारी ने सभी उचित दर विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि वितरण की पूरी जानकारी दुकान पर पहले से चस्पा करें।

मकान का सपना संजोकर जोड़ी पाई-पाई, साइबर ठगों ने आठ दिन में खाते से उड़ाए 4.72 लाख

वेलकम इंडिया संवाददाता

ट्रांस हिंडन। मेहनत-मजदूरी कर अपना मकान खरीदने का सपना संजो रही महिला की जिंदगीभर की जमा पूंजी साइबर ठगों ने साफ कर दी। जालसाज ने खुद को बैंककर्मी बताकर महिला से ओटीपी हासिल किया और आठ दिन के भीतर उनके बैंक खाते से 4.72 लाख रुपये निकाल लिए। हैरानी की बात यह है कि खाते से लगातार रकम निकलने के बावजूद महिला को कोई संदेश भी प्राप्त नहीं हुआ।

अक्टूबर 2026 में बैंक पहुंचकर रकम निकालने का प्रयास किया तो खाते में रुपये नहीं होने की जानकारी मिली। पीड़िता की शिकायत पर इंदिरापुरम पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वैशाली सेक्टर-1 की झुग्गी में रहने वाली मोमिना के मुताबिक वह मजदूरी करके परिवार का गुजारा करती हैं। उन्होंने मेहनत की कमाई से एक-एक रुपया जोड़कर मकान खरीदने के लिए बैंक खाते में रकम जमा की थी।

करीब दो महीने पहले उनके मोबाइल पर एक अंजान नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को बैंक का कर्मचारी बताया और खाते से संबंधित जानकारी लेने के बहाने ओटीपी पूछ लिया। महिला ने बैंककर्मी समझकर फोन करने वाले को ओटीपी बता दिया। इसके बाद जालसाजों ने उनके बैंक खाते को निशाना बनाया और महज आठ दिनों में 4.72 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान खाते से लगातार लेनदेन होने के बावजूद उन्हें कोई ट्रांजेक्शन संदेश नहीं मिला। अक्टूबर में जब वह बैंक में रुपये निकालने पहुंचीं तो कर्मचारियों ने खाते में रकम नहीं होने की जानकारी दी। यह सुनकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। इसके बाद महिला ने पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

10 नवंबर तक पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने का अभियान

औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों और राशन कार्ड धारक परिवारों के सदस्यों के नाम होंगे चेक, डीएम ने दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता





गाजियाबाद। जिले में मतदाता सूची को त्रुटिरहित और पात्र नागरिकों के नामों से अपडेट करने के लिए प्रशासन ने विशेष अभियान शुरू किया है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने इस अभियान में औद्योगिक इकाइयों और राशन विक्रेताओं को भी जिम्मेदारी सौंपी है। बुधवार को कलेक्ट्रेट में जिले की सभी 11 औद्योगिक एसोसिएशन और कोटेदार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते हुए डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए सभी औद्योगिक इकाइयां अपने कर्मचारियों और श्रमिकों के साथ कोटेदार अपने राशनकार्डधारक परिवारों के सदस्यों के नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से जांचें। इस कार्य को 10 नवंबर तक पूरा कर प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित प्रतिनिधियों से परिचय प्राप्त करने के बाद मतदाता सूची में छूटे पात्र नागरिकों के नाम शामिल कराने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी संबंधित विभाग और एसोसिएशन इस अभियान को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समयसीमा में पूरा कराएं। डीएम ने निर्देश दिए कि औद्योगिक इकाइयां अपने यहां कार्यरत सभी श्रमिकों और कर्मचारियों के नाम वर्तमान मतदाता सूची में जांचें। इसी तरह कोटेदार अपने यहां संबद्ध राशनकार्डधारक परिवारों के सभी पात्र सदस्यों के नामों का सत्यापन कराएं। जिन पात्र भारतीय नागरिकों का नाम किसी भी मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, उनका नाम जुड़वाने के लिए फार्म-6 भरवाया जाए। वहीं, जिन नागरिकों का नाम किसी अन्य स्थान की मतदाता सूची में दर्ज है, लेकिन वे वर्तमान में गाजियाबाद में स्थायी रूप से निवास कर रहे हैं, उनके निवास स्थान के अनुसार मतदाता सूची में स्थानांतरण के लिए फार्म-8 भरवाने की कार्रवाई की जाए। बैठक में उपस्थित औद्योगिक और कोटेदार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को निर्वाचन आयोग के ईसीआईनेट एप और आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया का लाइव डेमो भी दिखाया गया। अधिकारियों ने फार्म-6 और फार्म-8 भरने की प्रक्रिया समझाई तथा प्रतिनिधियों को दोनों फार्म की प्रतियां भी उपलब्ध कराईं, ताकि वे अपने-अपने स्तर पर अभियान को आगे बढ़ा सकें। जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी, उपायुक्त श्रम और महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र को अपने विभागीय माध्यमों से अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही औद्योगिक एसोसिएशन और कोटेदार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को अपने अधीनस्थ सभी संबंधित इकाइयों और राशनकार्डधारक परिवारों तक अभियान पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी। डीएम ने स्पष्ट किया कि 10 नवंबर 2026 तक यह कार्य अनिवार्य रूप से पूरा कराया जाए। संबंधित अधिकारियों और एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को कार्य पूर्ण होने का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे। सभी विभाग और एसोसिएशन आपसी समन्वय के साथ इसे प्राथमिकता से पूरा करें।

धन्वंतरि जयंती पर चिकित्सकों ने किया भगवान धन्वंतरि का पूजन

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। धनतेरस एवं भगवान धन्वंतरि जयंती के अवसर पर अंबेडकर रोड स्थित सेंटर फॉर साइट आई हॉस्पिटल में प्राइवेट चिकित्सक वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में श्रद्धा और उल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भगवान धन्वंतरि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर विधिवत पूजन किया गया। साथ ही सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की गई। एसोसिएशन के संस्थापक संरक्षक ब्रह्मऋषि विभूति डॉ. बीके शर्मा हनुमान ने कहा कि स्वास्थ्य ही मनुष्य का सबसे बड़ा धन है। व्यक्ति स्वस्थ रहेगा, तभी वह धन अर्जित करने के साथ उसका सदुपयोग भी कर सकेगा। उन्होंने कहा कि भगवान धन्वंतरि ने स्वास्थ्य को केवल रोगों से मुक्ति तक सीमित नहीं रखा, बल्कि शरीर, मन और प्राकृतिक परिवेश के बीच संतुलन को स्वस्थ जीवन का आधार बताया। आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी से बने पंचमहाभूतों का हमारे शरीर और जीवन से गहरा संबंध है। इसलिए प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर रहना जरूरी है। शहर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि धनतेरस पर मां लक्ष्मी, भगवान कुबेर और आरोग्य के देवता भगवान धन्वंतरि की पूजा का विशेष महत्व है। यह पर्व धन के सदुपयोग, स्वास्थ्य की रक्षा और समाज के कल्याण का संकल्प लेने का अवसर भी है।

उन्होंने कहा कि जिन घरों में आरोग्य, सदाचार और सकारात्मक विचारों का वास होता है, वहां सुख-समृद्धि बनी रहती है। डॉ. शर्मा ने आयुर्वेद की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए चिकित्सक समाज से मानव सेवा, रोगियों के प्रति संवेदना और चिकित्सा धर्म का पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धन्वंतरि जयंती केवल पूजन का पर्व नहीं, बल्कि निरोगी समाज के निर्माण का संकल्प दिवस भी है। कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. ए.के. जैन, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. सुनीता बहल व डॉ. मिलन मंडल, प्रवक्ता डॉ. एसपी गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. रुकसाना परवीन, डॉ. राशिद खान, डॉ. श्यामलाल सरकार व डॉ. फरहा खान सहित पदाधिकारी, सैकड़ों चिकित्सक और गणमान्य लोग मौजूद रहे। अंत में सभी ने भगवान धन्वंतरि से समस्त मानव समाज को स्वस्थ, निरोगी और दीर्घायु रखने की प्रार्थना की।

त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और अग्निशमन विभाग अलर्ट, राजकरन नैय्यर ने दिए निर्देश



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए गाजियाबाद पुलिस ने सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को पुलिस कार्यालय में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं यातायात राजकरन नैय्यर की अध्यक्षता में पुलिस एवं अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें डीसीपी ट्रांस हिंडन जोन ऋजुल सहित अग्निशमन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में अग्नि सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की गई। राजकरन नैय्यर ने सभी पुलिस एवं फायर इकाइयों को सतर्कता और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन, उपकरण और मानवबल तैयार रखा जाए। बाजारों, धार्मिक स्थलों, संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के साथ आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत बनाए रखने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए त्योहारों के दौरान पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

घर-घर पहुंचकर मतदाता सूची दुरुस्त कराने में जुटा प्रशासन, सिटी मजिस्ट्रेट ने परखी अभियान की हकीकत

पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए किया जागरूक, बीएलओ को दिए जरूरी निर्देश







कपिल चौहान



गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद में मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए चलाए जा रहे डोर-टू-डोर जागरूकता एवं पंजीकरण अभियान का बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र त्रिपाठी ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर निरीक्षण किया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ के निर्देशन में चल रहे अभियान के दौरान उन्होंने घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रही टीमों के कार्यों की समीक्षा की और नागरिकों से संवाद कर मतदाता सूची में नाम दर्ज होने की जानकारी ली।

सिटी मजिस्ट्रेट ने पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और नाम, पता सहित अन्य त्रुटियों को ठीक कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि नए मतदाता फॉर्म-6, नाम हटाने या आपत्ति के लिए फॉर्म-7 और संशोधन अथवा पता परिवर्तन के लिए फॉर्म-8 भर सकते हैं। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल voters.eci.gov.in और मतदाता हेल्पलाइन एप से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। बीएलओ के माध्यम से ऑफलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध है।

उन्होंने अभियान में लगे कर्मचारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक घर तक पहुंचकर सभी पात्र नागरिकों का पंजीकरण सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी योग्य मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे।

बहन पर चाकू से हमला करने का आरोपी गिरफ्तार, वारदात में इस्तेमाल अवैध चाकू बरामद



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी बॉर्डर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित आरोपी रूपेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया अवैध चाकू भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 6 सितंबर 2026 को पीड़ित ने थाने में शिकायत दी थी कि रूपेश ने उसकी बड़ी बहन के साथ मारपीट और गाली-गलौज करते हुए चाकू से हमला किया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 118(1) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना और साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराएं बढ़ाई गईं। मंगलवार 3 नवंबर को पुलिस टीम ने पंचवटी कॉलोनी, लोनी निवासी 30 वर्षीय रूपेश पुत्र अजब सिंह को गिरफ्तार कर लिया। चाकू बरामद होने के बाद मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 भी बढ़ाई गई है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

छाया पब्लिक स्कूल में दीपावली उत्सव की धूम, अतिथियों ने शिक्षकों पर की पुष्पवर्षा

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। वैशाली सेक्टर-3 स्थित छाया पब्लिक स्कूल में दीपावली के पावन अवसर पर भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर दीपों की रोशनी, उत्साह और उल्लास से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों, सामाजिक संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों और भाजपा नेताओं ने शिरकत कर विद्यालय परिवार के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद विद्यालय की प्रधानाचार्या मीनाक्षी ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। समारोह के दौरान अतिथियों ने शिक्षकों पर पुष्पवर्षा कर उनका सम्मान किया और उन्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस भावपूर्ण आयोजन ने शिक्षकों के प्रति सम्मान और समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। इस अवसर पर पार्षद कुसुम मनोज गोयल और पार्षद नीलम भारद्वाज मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। इनके साथ कौशांबी थाना प्रभारी अजय शर्मा, चौकी प्रभारी मनोज नेहरा, डॉ. रितु वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेत्री प्रीति भारद्वाज, शिक्षण संस्थान गाजियाबाद के अध्यक्ष राकेश त्यागी, वरिष्ठ भाजपा नेता अवधेश कटिहार, विनोद कुमार और सुषमा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

PNB में 10.24 करोड़ का घोटाला, CBI ने बैंककर्मी समेत दो को किया गिरफ्तार

कपिल चौहान



ग्रेटर नोएडा(वेलकम इंडिया)। पंजाब नेशनल बैंक (PNB) में 10.24 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी के मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंक की ऑफिस असिस्टेंट दीपांशी और निजी व्यक्ति आशुतोष पाठक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने आपसी मिलीभगत से ग्राहकों के बैंक खातों से अवैध तरीके से करोड़ों रुपये निकालकर घोटाले को अंजाम दिया। सीबीआई ने इस मामले में 29 अक्टूबर को मुकदमा दर्ज किया था। जांच के दौरान साक्ष्य जुटाने के बाद 3 नवंबर को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। निजी व्यक्ति आशुतोष पाठक को सीबीआई ने पुणे से पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से ट्रांजिट रिमांड मिलने पर उसे जांच के लिए लाया गया। सीबीआई अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही बैंक खातों से रकम निकालने के तरीके, धन के लेनदेन और मामले में अन्य संभावित संलिप्त लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

तुलसी निकेतन चौकी के पास खाली प्लॉट में खड़ी पुरानी कार में लगी आग, कोई जनहानि नहीं





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद थाना क्षेत्र के तुलसी निकेतन चौकी के पास बुधवार शाम एक खाली प्लॉट में लंबे समय से खड़ी पुरानी कार में अचानक आग लग गई। घटना की सूचना शाम 5:29 बजे फायर स्टेशन साहिबाबाद के कंट्रोल रूम को मिली।

सूचना पर फायर सर्विस यूनिट तत्काल मौके पर पहुंची और एमएफई से पंपिंग कर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। जांच में पता चला कि कार राहुल निवासी अफजलपुर की वर्कशॉप की है और काफी समय से एमके रेस्टोरेंट के पीछे खाली प्लॉट में खड़ी थी।

हालांकि, कार का रजिस्ट्रेशन नंबर और अन्य विवरण नहीं मिल सका। गनीमत रही कि आग की इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। फायर सर्विस टीम ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद वापसी की।

कानून की पढ़ाई में मजबूत तर्कों की बुनियाद है सटीक रिसर्च, एसजीयू में विद्यार्थियों को सिखाए गुर

अकादमिक ईमानदारी और मौलिक लेखन का महत्व समझाते हुए नकल से बचने की दी सलाह

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। कानून की पढ़ाई केवल कानूनी धाराओं और अदालती फैसलों को समझने तक सीमित नहीं है, बल्कि किसी भी कानूनी मुद्दे पर मजबूत पक्ष रखने के लिए सटीक और तथ्यपरक शोध करना भी जरूरी है।

इसी उद्देश्य से एसजीयू के स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज की ओर से विद्यार्थियों के लिए 'इंट्रोडक्शन टू लीगल रिसर्च मेथड्सइ विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर आलोक शर्मा ने विद्यार्थियों को कानूनी शोध की बारीकियों और उसके व्यावहारिक महत्व से परिचित कराया। कार्यक्रम का समन्वय स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज की सहायक प्रोफेसर डॉ. उर्मिला देवी ने किया।

व्याख्यान में प्रोफेसर आलोक शर्मा ने बताया कि कानूनी शोध किसी भी कानूनी विषय को गहराई से समझने, तथ्यों की जांच करने और सही निष्कर्ष तक पहुंचने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को डॉक्ट्रिनल और नॉन-डॉक्ट्रिनल रिसर्च के बीच अंतर समझाते हुए दोनों शोध पद्धतियों के उपयोग और विशेषताओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कानूनी शोध के लिए कानून की पुस्तकों, न्यायालयों के फैसलों, कानूनी वेबसाइटों, शोध पत्रों और अन्य प्रामाणिक स्रोतों का इस्तेमाल करना चाहिए। किसी भी विषय पर शोध करते समय केवल जानकारी जुटाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि तथ्यों को समझकर उनका तार्किक विश्लेषण करना भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सही स्रोतों से सामग्री लेने और शोध में प्रमाणिकता बनाए रखने के तरीके बताए।

भोपुरा में अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़, युवक-युवती गिरफ्तार

बेसमेंट में चल रहा था हुक्का बार, चार हुक्का पाइप और फ्लेवर्ड तंबाकू समेत अन्य सामान बरामद

कपिल चौहान



गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना टीला मोड़ पुलिस ने भोपुरा तिराहे के पास एक किराये की इमारत के बेसमेंट में संचालित अवैध हुक्का बार का खुलासा करते हुए एक युवक और युवती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से चार हुक्का पाइप, दो पैकेट फ्लेवर्ड तंबाकू, एक प्लास्टिक के डिब्बे में फ्लेवर्ड तंबाकू, दो चिमटे और कोयला गर्म करने वाला छोटा इलेक्ट्रिक हीटर बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 3 नवंबर को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में पिछले दो-तीन दिनों से अवैध रूप से हुक्का बार चलाया जा रहा है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अर्जुन (19) निवासी नंद नगरी, दिल्ली और नंदिनी (26) निवासी नंद नगरी, दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम-2003 की धारा 21/22 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।